केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक

भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 165 शुक्रवार 5 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मत्स्य पालन के लिये डीएम ने डाले बीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद के सभी गांव में तालाब खुदवा कर मत्स्य पालन के लिए शुरुआत की गई है। जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने कप्तानगंज ब्लाक के दुधौरा ग्राम पंचायत के तालाब में एक हजार मत्स्य बीज डाल करके अभियान की शुरुआत की गई। जनपद में निर्मित कुल 1111 तालाबों में से 753 में मत्स्य बीज डाला गया है। इस अवसर पर सीडीओ जयदेव सी.एस. , उपायुक्त मनरेगा संजय शर्मा, खंड विकास अधिकारी वर्षा बंग तथा अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड का तीन दिवसीय शिविर शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती–गुरुवार को पंडित चतुर्भुज तिवारी विमला देवी इंटर कॉलेज नकटीदेई कप्तानगंज में उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड के प्रवेश सोपान के तीन दिवसीय शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार तिवारी द्वारा स्काउट गाइड का ध्वज फहरा कर किया गया। स्काउट ध्वजारोहण के उपरांत अपने उद्बोधन में प्रबंधक अनिल कुमार तिवारी ने कहा की स्काउट जैसे कार्यक्रमों से बच्चों में आपसी प्रेम एवं सद्भावना का विकास होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार मिश्र ने बताया की स्काउट एवं गाइड एक स्वयं सेवी संस्था है जो अनेक आपदा के अवसर पर सेवा भाव से मदद करता है बच्चों को ट्रेनिंग देने आए जिला संस्था से ट्रेनिंग गाइड काउंसलर नेहा गुप्ता एवं ट्रेनिंग स्काउट काउंसलर निखिल चौधरी ने बच्चों को प्रतिज्ञा स्काउट प्रार्थना सिखाया। इस दौरान ट्रेनिंग काउंसलरों के द्वारा स्कूली बच्चों में पांच स्काउट टोली बनाई गई महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, चंद्रशेखर आजाद ,भगत सिंह, महाराणा प्रताप जबकि पांच गाइड टोली लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, सुभद्रा कुमारी चौहान ,वीरांगना रानी तलाश कुंवारी एवं महादेवी बर्मा है। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार मिश्रा रमेश चंद्र उपाध्याय राघवेंद्र पाठक अजय कुमार पिंकी हरिश्चंद्र त्रिपाठी सहित राम यश जगनारायण मिश्र सहित समस्त शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

विवाह के ऑन लाइन आवेदनों का किया सत्यापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती)। विकासखंड विक्रमजोत के मुख्यालय के सभागार में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन एवं पूर्व मे आनलाइन आवेदन पत्रों के सत्यापन के लिए एडीओ समाज कल्याण संदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी की बैठक आहूत कि गयी।

बैठक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र लाभार्थियों का चयन एवं एक ही परिवार और एक से अधिक बार योजना का लाभ लेने वाले फर्जी व बोगस आवेदन का सत्यापन किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत अधिकारी राम रूप सिंह, मनोज मिश्रा, सुनील कुमार चौधरी, सूरज कुमार पांडे, अजय चौधरी, अर्चना वर्मा, मधुसूदन प्रजापति, आशीष श्रीवास्तव, राम दरस प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

चिकित्सा संस्थानों में बदला आरक्षण का नियम

लखनऊ (आभा)। प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में आरक्षण नये सिरे से तय होगा। अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन सभी चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सा विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों को एक इकाई माना जाएगा। अभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों को छोड़ अन्य को अलग इकाई माना जा रहा है। यह व्यवस्था इन संस्थानों में शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए की गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2019 में जारी शासनादेश में बदलाव करते हुए नया शासनादेश जारी कर दिया है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी इस शासनादेश में महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा को

आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल 27 सितंबर 2019 को जारी शासनादेश में चिकित्सा शिक्षा संस्थानों या विश्वविद्यालयों अथवा मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती की व्यवस्था तय की गई थी। विभाग के सभी चिकित्सा संस्थानों को इकाई मानते हुए शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती पर आरक्षण लागू किए जाने का निर्णय लिया गया था।

वहीं दूसरी ओर विधायी अनुभाग द्वारा पांच मार्च 2021 को जारी अधिसूचना में उत्तर प्रदेश शैक्षिक संस्था (अध्यापक संवर्ग में आरक्षण) अधिनियम बनाया गया। इसमें जिन सरकारी संस्थाओं में सरकार द्वारा राज्य स्तरीय संवर्ग सृजित किया गया हो, उन्हें एक इकाई माना गया है। राज्य सरकार के अधीन संचालित राजकीय मेडिकल कॉलेजों में भी शैक्षणिक पद राज्य स्तरीय संवर्ग के हैं। ऐसे में उन्हें अलग–अलग इकाई नहीं माना जा सकता। इसी क्रम में राज्य सरकार ने 2019 में चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सा विश्वविद्यालयों या मेडिकल कॉलेजों को अब एक इकाई माने जाने का आदेश जारी किया गया है।माना जा रहा है कि नए नियमों से ओबीसी और एससी–एसटी को फायदा होगा। पूरे

यूपी में दिन में 10 बजे से खुलेंगे स्कूल

लखनऊ (आभा)। यूपी में भीषण ठंड और शीतलहरी में बच्चों को हो रही परेशानी लखनऊ तक पहुंच गई है। योगी सरकार ने इसे देखते हुए स्कूलों के खुलने और बंद करने की टाइमिंग तय कर दी है। शासन की तरफ से इसे लेकर सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि अब कोई भी स्कूल सुबह दस बजे से पहले नहीं खुलेगा। इसके साथ ही शाम तीन बजे तक बंद भी करना होगा। फिलहाल स्कूलों को सुबह 8. 50 से 2.30 तक खोला जा रहा था। शिक्षा निदेशक की तरफ से इस बारे में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी बोर्ड के स्कूलों पर कड़ाई से इसे लागू किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस को भव्यता से मनाने की तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाये जाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारी बैठक सम्पन्न हुयी। मुख्य कार्यक्रम 9.30 बजे पुलिस लाईन में आयोजित किया जायेंगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीएम कमलेश चन्द्र ने कहा कि 23 जनवरी को सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान संचालित किया जायेंगा।

प्रातः 8 बजे से विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली जायेंगी। प्रातः 08.30 बजे सभी सरकारी कार्यालयों में झण्डा रोहण, राष्ट्रगान के पश्चात संविधान में उल्लिखित संकल्प लिया जायेंगा। सभी तहसीलों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जायेंगा। ग्राम पैडा, नगर बाजार तथा अमोढा में कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। जेल, जिला चिकित्सालय, कुष्ठ आश्रम तथा सम्प्रेक्षण गृह में फल एवं मिष्ठान वितरण किया जायेंगा। खेल–कूद विभाग द्वारा मध्यम गति दौड़ आयोजित की जायेंगी।

26 जनवरी को सभी शैक्षिक संस्थाओं में प्रातः 10.00 बजे से झण्डारोहण किया जायेंगा। अपरान्ह 2 बजे से किसान डिग्री कालेज से मार्चपास्ट के साथ सचल वाहन पर झाकियॉ निकाली जायेंगी, जो जीआईसी. ग्राउण्ड में समाप्त होगी। 2.30 बजे से राजकीय कन्या इण्टर कालेज में लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेंगा।

उन्होने कहा कि नगर के सभी 15 महापुरूषों की मूर्तियों की साफ–सफाई एवं माल्यार्पण गणमान्य नागरिको एवं अधिकारियों द्वारा 09. 00 बजे से किया जायेंगा। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी अशोक प्रजापति, एसीएमओ डा. ए.के. गुप्ता, एसआईसी डा. एस.सी. कौशल, उप जिलाधिकारी गुलाब चन्द, शत्रुहन पाठक, रमेश यादव, सत्येन्द्र सिंह, एडी बेसिक संजय शुक्ला, डीआईओएस जगदीश शुक्ल, रामकृष्ण लाल जगमग, प्रधानाचार्या मुश्लिमा खातून, अनुराग श्रीवास्तव, जगवीर सिंह, पंकज सोनी, कृष्ण कुमार उपाध्याय तथा विभागीय अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

महिला को फोंन पर झांसा देकर हड़प लिये 90 हजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती) । नगर पुलिस ने पुलिस अधीक्षक बस्ती के आदेश पर पीड़िता के तहरीर पर फोन पर झांसा देकर रूपये हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

नगर थाना क्षेत्र के ग्राम अगईभगाड निवासी निहारिका सिंह पुत्री राजकुमार सिंह ने दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि मेरे मोबाइल नंबर पर एक युवक ने फोन कर कहा कि मैं सिद्धार्थ बोल रहा हूँ मुझे किसी के नंबर पर 25हजार रूपये ट्रांसफर करने हैं मैं आपके एकाउंट में रूपये भेज रहा हूँ।मैंने कहा कि भेज दीजिये मैं आपके द्वारा बताए गये एकाउंट में रूपये भेज दूँगी।तभी टाईप किया हुआ एक मैसेज मेरे मोबाइल पर आया जिसमें 25हजार रूपये दिखा रहा था।लेकिन मैंने कहा कि रूपये भेजने का मैसेज नहीं आया तो उसने कहा कि नेटवर्क में खराबी होने की वजह से कभी कभी मैसेज देर में जाता है।मैं उसकी बात पर विश्वास करके उसके द्वारा भेजे गए नंबर पर रूपये ट्रांसफर कर दिया।उसकी बातों में आकर हमने 90हजार रूपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिया।जब हमें फ्राड का अहसास हुआ तो हमने दुबारा उसके फोन पर कॉल किया लेकिन उसने फोन नहीं रिसीव किया।

थाना प्रभारी नगर संतोष कुमार ने बताया कि पीड़िता के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

ब्रेल लिपि के अविष्कारक लुई ब्रेल के जन्म दिन पर सम्मानित हुये दिव्यांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को ब्रेल लिपि के अविष्कारक लुई ब्रेल का जन्म दिन विश्व ब्रेल दिवस के रूप में मनाया गया। शिक्षित युवा सेवा समिति के सभागार में दृष्टिदिव्यांग युवाओं एवं परिवार के सदस्यों सहित विशेष शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। लुई ब्रेल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनका नमन किया गया।

इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोगार प्रशिक्षण संस्थान बस्ती, के निदेशक राजीव रंजन ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि दिव्यांगों को समुचित अवसर मिलने चाहिये। उन्होने उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत दृष्टिदिव्यांग युवाओं को जानकारी दिया। साथ ही इनेवल इण्डिया एवं शिक्षित युवा सेवा समिति–बस्ती के द्वारा प्रारम्भ किये गये ग्रामीण दिव्यांगजनों के लिए रोजगार/ स्वरोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 30 दृष्टिबाधित युवाओं के प्रथम बैच के प्रशिक्षण को यथाशीघ्र प्रारम्भ कराने की जानकारी दी। इन्हे उक्त प्रशिक्षण के उपरान्त विभिन्न स्वरोजगार कियाकलापों से जोड़ा जायेगा एवं आगामी महीने में अन्य दिव्यांगताओं को भी ऐसे प्रशिक्षण उक्त केन्द्र के माध्यम से करवाये जायेगें।

इस अवसर पर संस्था के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने दृष्टि दिव्यांग अमर सिंह, राकेश सोनी सहित सभी उपस्थित दृष्टिदिव्यांगजनो को शाल प्रदान कर सम्मानित किया।

प्राचार्य ने प्रशिक्षण में किया प्रोजेक्ट का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में गुरुवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक के नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण में प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रोजेक्ट का अवलोकन किया।

डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्रधानाचार्यों और प्रधानध्यापकों की सोच और कार्य प्रणाली में व्यापक बदलाव आएगा। कहा कि विद्यालय प्रबंधन सहित टीम लीडर के बेहतर गुण विकसित हों जिससे विद्यालय के संचालन और विद्यार्थियों को पाढ्यक्रम के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी और संदर्भदाता उदयभान वर्मा, संतोष कुमार के द्वारा नेतृत्व क्षमता के मौजूदा पद्धति में सुधार लाने, नवीन ज्ञान, विद्यालयी कर्मचरियों को प्रेरित करने सहित कई अन्य तथ्यों पर जानकारी दिया गया।

प्रशिक्षण में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या नीलम सिंह, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ विजय प्रकाश, सत्येंद्र कुमार पाण्डेय, विकास चंद्र श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र वर्मा, डॉ साधना मौर्या, पंकज कुमार साहू, प्रियंका गौतम आदि उपस्थित रहे।

ई–खसरा पड़ताल के लिये दिया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं मुख्य सचिव तथा अध्यक्ष राजस्व परिषद द्वारा लखनऊ से रबी वर्ष 2023–24 ई–खसरा पड़ताल की लॉन्चिंग एवं सर्वेयर सुपरवाइजर, वेरीफायर का आमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खरीफ–2023 ई–खसरा पड़ताल में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य हेतु अब्दुल कयूम, पंचायत सहायक, भानपुर तहसील, विकास खण्ड, रामनगर को मा. कृषि मंत्री, मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा पुरस्कृत किया गया।

बस्ती में ई–खसरा पड़ताल लांचिंग एवं सर्वेयर, सुपरवाइजर, वेरीफायर आमुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन अटल बिहारी बाजपेई

प्रेक्षागृह, में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी एवं मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्रदेश के 21 जनपदों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था, जिसमें बस्ती जनपद अग्रणी रहा है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में रबी 2024 में 909749 गॉटों का सर्वे किया जाना है, जिसमें तहसील बस्ती सदर में 308383, हर्रैया में 379905, भानपुर में 150223 एवं रूधौली में 71238 गाटों का ई–पड़ताल 1057 कलस्टरों में किया जाना है। वहॉ उपस्थित कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पंचायत विभाग के कार्मिकों का उत्सहवर्धन करते हुए उन्होने निर्देशित किया कि रबी 2023–24 ई–खसरा पड़ताल का कार्य ससमय पूर्ण कर लिया जाय।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम, जिला कृषि अधिकारी डा0 राजमंगल चौधरी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा, सहायक अर्थ एवं संख्या अधिकारी अजय चौधरी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी हरेन्द्र प्रसाद तथा जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी एवं सर्वेयर, सुपरवाइजर, वेरीफायर उपस्थित रहे।

प्रचार के लिये गुजरात जायेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। ईडी द्वारा गिरफ्तारी के कयास के बीच अरविंद केजरीवाल ने तीन दिन गुजरात यात्रा का प्लान बनाया है। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को देखते हुए यह यात्रा महत्वपूर्ण हो सकती है। इससे भाजपा चौकन्नी हो गई है। उसका मानना है कि केजरीवाल का यह गुजरात दौरा उसी राजनीति के मद्देनजर की जा रही है। केजरीवाल ने स्वयं कह दिया है कि यह जांच उन्हें लोकसभा चुनाव प्रचार करने से रोकने के लिए की जा रही है। आने वाले समय में केजरीवाल का भाजपा पर यह हमला तेज हो सकता है।

भाजपा का मानना है कि अरविंद

केजरीवाल जिस तरह बार–बार प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हो रहे हैं और मीडिया के सामने अपनी गिरफ्तारी की आशंका जता रहे हैं, यह उनकी विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश है। इसका उद्देश्य लोकसभा चुनाव के बीच लोगों की सहानुभूति हासिल करना है। लेकिन भाजपा ने तय किया है कि वह आम आदमी पार्टी को इस विक्टिम कार्ड को नहीं खेलने देगी। गुरुवार सुबह दिल्ली भाजपा नेताओं की शीर्ष बैठक में तय किया गया है कि पार्टी केजरीवाल के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाकर जनता को इसकी सच्चाई बताएगी। भाजपा जनता को यह बताने की कोशिश करेगी कि किस तरह अरविंद केजरीवाल जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश न होकर संवैधानिक संस्थाओं की अवमानना कर रहे हैं।

कांग्रेस ने भारत न्याय यात्रा का बदला नाम

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में निकलने जा रही भारत न्याय यात्रा का नाम बदल दिया है। अब इसे भारत जोड़ो न्याय यात्रा कहा जाएगा। गुरुवार को हुई वरिष्ठ नेताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसकी जानकारी महासचिव जयराम रमेश ने दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बीते साल 5 महीने तक चली भारत जोड़ो यात्रा से लोग खूब जुड़े थे और यह नाम लोगों के दिलों में बैठ गया था। इसलिए हम नई यात्रा में भी भारत जोड़ो नाम शामिल कर रहे हैं। जयराम रमेश ने कहा, श्महासचिवों, प्रभारियों, प्रदेश अध्यक्षों और विधानसभाओं में नेता विपक्ष की मीटिंग में यह फैसला लिया गया।श

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा एक ब्रांड बन गई थी। इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली थी। हमें उसे भुलाना नहीं चाहिए। इस यात्रा ने

कन्याकुमारी से श्रीनगर तक का सफर तय किया था और इसका असर दिखा। जयराम रमेश ने इस दौरान भारत जोड़ो न्याय यात्रा का रूटमैप भी पेश किया। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत हिंसा से प्रभावित मणिपुर की राजधानी इंफाल से 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे होगी। इस मार्च का कुल रूट 6700 किलोमीटर लंबा होगा। उन्होंने कहा कि यह 66 दिनों का सफर होगा और डेली दो बार राहुल गांधी का भाषण होगा। मीटिंग के बाद रूट में एक बदलाव यह हुआ कि इसे अरुणाचल प्रदेश भी ले जाया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि हमारी चर्चा में यह बात हुई कि अरुणाचल प्रदेश को भी शामिल किया जाए, जो हमारे दिमाग में हमेशा से था।

जांच में दो पैथालोजी सेण्टर, एक मेडिकल स्टोर सीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती)। कस्बे में गुरूवार को स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक विभाग की संयुक्त टीम के निरीक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने संचालित दो पैथोलॉजी सेंटर व एक मेडिकल स्टोर सीज कर दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार हर्रैया अजीत कुमार सिंह एवं सीएससी प्रभारी डॉ आर के सिंह के नेतृत्व में पहुंची संयुक्त टीम ने विक्रमजोत कस्बा में संचालित जेके डायग्नोस्टिक सेंटर एवं सत्या पैथालॉजी सेंटर का निरीक्षण किया। जो मौके पर बंद मिला। दोनो संचालकों के नम्बर पर फोन कर सम्पर्क करने पर उनका मोबाइल भी बंद मिला। तदउपरांत दोनों सेंटरों को स्वास्थ्य एवं तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम सील कर नोटिस चस्पा कर दिया। कार्रवाई के दौरान मौजूद नायब तहसीलदार अजीत कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई डीएम के निर्देश पर एसडीएम विनोद कुमार पांडे एवं सीएससी हर्रैया डॉ आर के सिंह के नेतृत्व में की गई है सील किए गए दोनों प्रतिष्ठानो को तीन दिवस के भीतर अपने समस्त अभिलेखों को लेकर एसडीएम हर्रैया के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। समयांतर्गत अभिलेख प्रस्तुत न करने पर इनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान विक्रमजोत पुलिस चौकी पर तैनात उप निरीक्षक प्रहलाद यादव मय पुलिस टीम के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे

विक्रमजोत कस्बा में स्थित दो पैथोलॉजी सेंटर को स्वास्थ्य टीम ने निरीक्षण के दौरान सीज किए जाने से पूरे बाजार में हंगामा मच गया। कस्बे के अन्य पैथोलॉजी सेंटर और मेडिकल स्टोर संचालक अपनी दुकान बंद कर भाग लिए। निरीक्षण के संबंध में कस्बा निवासी राहुल कुमार, अब्दुल मुन्नु खां, ग्राम प्रधान राजेश कसौधन सहित कई कस्बावासियों ने स्वास्थ्य टीम पर आरोप लगाते हुए बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के गेट के सामने आधा दर्जन मेडिकल स्टोर एवं पैथोलॉजी सेंटर आज भी संचालित हो रहे हैं निरीक्षण करने आयी नायब तहसीलदार अमित कुमार सिंह एवं सीएचसी प्रभारी डा. आर के सिंह ने उन्हें नहीं देखा। न तो उन पैथालॉजी सेंटरों पर कोई कार्रवाई नहीं किया। टीम के भेदभाव पूर्ण रवैये से कस्बावासी आक्रोशित है

संगोष्ठी में साहित्यकारों की भूमिका पर विमर्श: डा. वी.के. वर्मा को शब्द सृजन सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को साहित्यिक संस्था शब्द सुमन द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में 'समाज में साहित्यकारों की भूमिका' विषयक संगोष्ठी का आयोजन वरिष्ठ नागरिक बटुकनाथ शुक्ल की अध्यक्षता और वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' के संचालन में सम्पन्न हुआ।

गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी. के. वर्मा ने कहा कि साहित्यकार आज भी प्रतिबद्ध है। अंधेरी रात चाहे कितनी भी लम्बी क्यों ना हो उसका सवेरा जरूर होता है। समाज में आ रही निरन्तर गिरावट से वह थोड़ा परेशान जरूर है। समय के साथ सामंजस्य बिठाकर वह समाज, युवा और राष्ट्र को जागृत करने की दिशा में अग्रसर है। यही वक्त की मांग है और वर्तमान में साहित्यकार की भूमिका भी।

विशिष्ट अतिथि श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि साहित्यकार का यह पवित्र दायित्व होता है कि वह अपनी सभ्यता, संस्कृति और देश को भटकने न दे। अपनी वाणी द्वारा उसमें नए प्राणों का संचार करे। उसकी चेतना को जागृत एवं सक्रिय रखे। एक साहित्यकार का हृदय, मन, मस्तिष्क वीणा के कोमल

तारों की तरह संवेदनशील होता है। जो समय और घटनाओं के हल्की सी छुअन से झंकृत हो उठता है। यह झंकार उसकी कला या साहित्य के रूप में अवतरित हो राष्ट्र या जातियों, संस्कृतियों की अमर धरोहर बन जाया करता है।

संचालन करते हुये वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि जब भी देश की संस्कृति स्वतंत्रता या राष्ट्रीयता खतरे में होती है तो युगीन साहित्यकार अपनी लेखनी द्वारा समाज में नव प्राण का संचार करता है। उनकी रचना' नया वर्ष कुछ ऐसा कर दे, सबके उर में खुशियां भर दें, सोते हैं जो फुटपाथों पर उन्हें एक छोटा से घर दे' सुनाकर वाहवाही लूटी। ''इस अवसर पर साहित्यिक संस्था शब्द सुमन द्वारा डा. वी.के. वर्मा को शब्द सृजन सम्मान से विभूषित किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' के संयोजन में काव्य गोष्ठी आयोजित किया गया। डा. जगमग ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के साहित्यकार भी समाज एवं राष्ट्र को अपने उच्च विचारों से सुदृढ़ करने में लगे हैं।वर्तमान समय में इनकी भूमिका और विस्तृत हो गई है। इनकी कलम सामाजिक, धार्मिक उन्माद, भेदभाव, गरीबी अमीरी से उपजी सामाजिक पीड़ा के आक्रोश को कम करने के मुद्दे पर खूब चली है और आज भी निरंतर चल रही है। पं. चन्द्रबली मिश्र, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, डा. अजीत श्रीवास्तव 'राज' दीपक सिंह प्रेमी, डा. राजेन्द्र सिंह, अनवार पारसा, अजमतअली सिद्दीकी की रचनाओं को श्रोताओं ने सराहा। मुख्य रूप से सामईन फारूकी, छोटेलाल वर्मा, दीनानाथ के साथ ही अनेक सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 5 जनवरी 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

विदेश पलायन के निहितार्थ

ऐसी धारणा है कि केवल उन्हीं लोगों को सरकारी नौकरियां मिलती हैं जिनके पास पैसा होता है या जो अच्छी तरह से जुड़े हुए होते हैं, मेहसाणा के उस व्यक्ति ने निकारागुआ के लिए 303 भारतीयों की उड़ान की हालिया खबर पर नजर रखने वाले एक पत्रकार को संबोधित करते हुए अफसोस जताया। वहां अच्छी तनख्वाह वाली कोई निजी नौकरियां नहीं हैं। इसलिए यहां भारत में रहकर हमेशा संघर्ष करते रहने से बेहतर है कि कनाडा या अमरीका में कोई छोटी–मोटी नौकरी करके अच्छा कमाया जाए।

कई उद्यमशील भारतीयों ने भाग्य और अवसर की तलाश में सदियों से गुजरात के तटों को छोड़ दिया है। हालांकि, 2020 का भारत उन्हें हताशा में छोडने पर मजबूर कर रहा था। एक दैनिक समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि नवंबर 2022 से सितंबर 2023 तक, अकेले अमरीका में अवैध रूप से प्रवेश करते समय 96,917 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। इसकी तुलना 2019–20 में संयुक्त राज्य अमरीका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में पकड़े गए 19,883 भारतीयों और 2021–22 में 63,927 भारतीयों से की जाती है। गुजरात की विकास यात्रा को भारत और दुनिया भर में जबरदस्त प्रशंसा मिली है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात विकासोन्मुख शासन के लिए जाना जाता था जहां लोगों को विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और हितधारक बनाया गया था। स्पष्टतः पिछले एक दशक में कुछ गलत हुआ है।

अगर हताश भारतीय अच्छी आजीविका की तलाश में जहाज से कूद रहे हैं और कठिन परीक्षाएं झेल रहे हैं, तो देश के अमीर, तथाकथित 'हाई नैट वर्थ मूल्य वाले व्यक्ति' (एच.एन.आई.), विदेशों में बसने के लिए गोल्ड वीजा खरीद रहे हैं। लंदन स्थित वैश्विक नागरिकता और निवास सलाहकार फर्म हेनले एंड पार्टनर्स ने 2022 में बताया कि 7,500 एच.एन.आई. ने विदेशों में निवास और नागरिकता लेने के लिए भारत छोड़ दिया था। वैश्विक निवेश बैंक, मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2014 और 2018 के बीच लगभग 23,000 भारतीय करोड़पतियों ने अपना मुख्य घर भारत से बाहर स्थानांतरित कर दिया था।

जबकि पिछले एक दशक में गरीबों, पेशेवरों और अमीरों का पलायन तेजी से बढ़ा है। जबकि कुछ दलालों और बिचौलियों का शिकार बन जाते हैं, पेशेवर अपनी विपणन योग्य प्रतिभा का उपयोग करके कार्य वीजा सुरक्षित कर लेते हैं और अमीर लोग अपनी विदेशी नागरिकता खरीद लेते हैं। बड़ी संख्या में देश नागरिकता बेच रहे हैं।

उपन्यासकारों और इतिहासकारों ने 'गिरमिटिया मजदूरों' के भाग्य के बारे में स्पष्ट रूप से लिखा है, जिन्हें बेहतर जीवन के झूठे वायदे के साथ उनके गांवों से बहला–फुसलाकर लाया गया और फिर गुलामी और कठिन परिश्रम में धकेल दिया गया। वह ब्रिटिश भारत था। फिर 1970 और 1980 का दशक आया जब भारतीय श्रमिकों को एक बार फिर रोजगार और उच्च आय के वायदे का लालच दिया गया। इस घटना में, कई लोगों ने खुद को पश्चिम एशिया के गैर–लोकतांत्रिक, सामंती साम्राज्यों में अमानवीय परिस्थितियों में रहते हुए पाया।

हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि न तो औपनिवेशिक युग के गिरमिटिया मजदूर और न ही खाड़ी क्षेत्र के श्रमिक वर्ग ने घर लौटने का विकल्प चुना। 1947 के बाद, पूर्व के लोगों को भारतीय नागरिकता लेने का विकल्प दिया गया, लेकिन अधिकांश ने विदेश में रहने का विकल्प चुना। पिछले कुछ वर्षों में मॉरीशस और जमैका जैसे विविध देशों में उनकी स्थिति में सुधार हुआ है। अधिकांश लोग पूर्वी भारत के गांवों में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से बेहतर स्थिति में हैं। पश्चिम एशिया में भी मजदूर वर्ग ने बेहतर जीवनयापन के लिए संघर्ष किया। हर साल 20 लाख से अधिक भारतीयों के समुद्र के रास्ते प्रवास करने के कारण, क्षेत्रीय और पेशेवर रूप से विविध भारतीय प्रवासी अब 30 मिलियन के करीब हैं और अनिवासी भारतीय अनिवासी चीनियों से अधिक हैं। हाल तक कई एन.आर.आई. ने अपनी भारतीय नागरिकता बरकरार रखी है। हालांकि, मेजबान देशों में आकर्षक नागरिकता नीतियों और विदेशी मुद्रा के उदार प्रेषण के संयोजन ने भारत में विदेशी नागरिकता लेने वालों की संख्या में वृद्धि की है।

21 जुलाई, 2023 को संसद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि 2022 में कुल 2,25,26 भारतीयों ने 'अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी'। यह 2020 में 85,256 की तुलना का ब्यौरा है। कुल मिलाकर 2011–22 की अवधि में 16,63,44 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी। 2023 के पहले 6 महीनों में यह आंकड़ा 87,026 पर पहले से ही तैयार था। मंत्री ने फिर कहा कि पिछले 2 दशकों में वैश्विक कार्यस्थल की खोज करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या महत्वपूर्ण रही है। विदेश मंत्री ने दावा किया और कहा कि एक सफल, समृद्ध और प्रभावशाली प्रवासी भारत के लिए एक फायदा है। यदि घर की दुर्गम परिस्थितियां गरीब और मध्यम वर्ग के भारतीयों को पलायन करने के लिए प्रेरित करती हैं, तो सरकारी एजेंसियों द्वारा उत्पीडन का डर अमीर भारतीयों को विदेश जाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

अब तक नीति निर्माताओं और विश्लेषकों द्वारा इस परिघटना को हल्के में लिया जाता रहा है। आखिरकार उनके अधिकांश बच्चे पहले ही पलायन कर चुके हैं तथापि, भारतीयों का पलायन आश्चर्यजनक रूप से बढ़ रहा है। यह आंशिक रूप से लोगों की वैश्विक कमी से आकार लिया गया है जिसने भारतीय श्रम और पेशेवरों की मांग पैदा की है। समान रूप से, यह कई लोगों की मोदी के 'न्यू इंडिया' से दूर, बेहतर, सुरक्षित जीवन की ओर पलायन करने की इच्छा से भी आकार ले रहा है। जबकि सरकार अब, प्रवासी भारतीयों के बीच सभी प्रकार के धार्मिक चरमपंथियों की बढ़ती सक्रियता के आलोक में, यह पता लगा रही है कि प्रवासी एक संपत्ति के रूप में एक दायित्व के समान हैं, जिन परिवारों के बच्चे विदेशों में हैं, वे अपने बच्चों का बोझ उठाना शुरू कर रहे हैं। दुबई, सिंगापुर, लंदन, लिस्बन, केमैन द्वीप और अन्य विदेशी स्थानों में इस सब में अमीरों को ही फायदा मिल रहा है।

बेटी बचाओ के दावे और सरकार

–निर्मल रानी–

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सितंबर 2023 में एक जनसभा को संबोधित करते हुये राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने राज्य की कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा था –शकि कानून संरक्षण के लिए है. लेकिन कानून को बंधक बनाकर व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करने की इजाजत किसी को नहीं है। कानून सुरक्षा के लिए है, लेकिन यदि किसी ने बहन–बेटी के साथ छेड़खानी की तो अगले चौराहे पर उस शोहदे का इंतजार, यमराज कर रहे होंगे। उसे यमराज के यहां भेजने से कोई रोक नहीं पाएगा। हमें सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण देना होगा. कानून संरक्षण के लिए है और कानून को बंधक बनाकर कोई किसी की सुरक्षा पर सेंध लगाने का प्रयास नहीं करेश। परन्तु इसी योगीराज में ही ऐसी कई घटनायें उजागर हो चुकी हैं जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उपरोक्त दावों पर सवाल खड़ा करती हैं। इनमें सबसे संसनीखेज घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में स्थित वाराणसी के आईआईटी बीएचयू कैंपस की है जिसमें आरोपी तीनों युवक भाजपा आईटी सेल के पदाधिकारी हैं।

बताया जा रहा है कि दो माह पूर्व यानी एक नवंबर की रात मोटर बाइक पर सवार तीन गुण्डे आईआईटी बीएचयू कैंपस में आये। वहां उन्हें इंजीनियरिंग की बी टेक की एक छात्रा टहलती हुई दिखाई दी। यह गुण्डे उस छात्रा को बलपूर्वक पकड़कर किसी सन्नाटी जगह पर ले गये। तीनों ने मिलकर जबरन उसे निःवस्त्र किया। उसकी नग्नावस्था की वीडिओ बनाई। फिर बारी बारी तीनों ने उसके साथ बलात्कार किया और बलात्कार की भी वीडियो बनाते रहे। कुणाल पांडेय,आनंद व सक्षम पटेल नामक यह तीनों गुंडे बलात्कारी भारतीय जनता पार्टी की आई टी सेल के पदाधिकारी हैं। बताया जा रहा है कि यह तीनों ही नियमित रूप से आर एस एस की शाखा में भी जाया करते थे। अर्थात 'संघ से संस्कारित' थे। खबरों के अनुसार गैंगरेप पीड़िता ने पुलिस को सूचित करने के बाद घटना के 5 दिन के भीतर ही सीसीटीवी के माध्यम से बनारस पुलिस के समक्ष इन तीनों अपराधियों की शिनाख्त बिल्कुल स्पष्ट रूप से कर ली थी। परन्तु उस समय देश के पांच राज्यों में चुनाव का वातावरण था। तो क्या इसी कारण इतनी गंभीर घटना को साजिश के तहत दबा कर रखा गया ? इतना ही नहीं बल्कि इतने गंभीर सामूहिक बलात्कार के अपराध में शिनाख्त हो जाने के बावजूद और इनके नाम व चेहरे सब कुछ पता लगने के बावजूद इन्हीं बलात्कारी गुण्डों की मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से चुनाव प्रचार की ड्यूटी लगाई गयी। और यह मध्य प्रदेश में भाजपा का चुनाव प्रचार करते रहे। कहा जा रहा है कि इस मामले को सरकार ने जानबूझकर एक साजिश के तहत दबा कर रखा। करीब दो महीने तक इस मामले में पुलिस ने न कोई बयान दिया ना ही किसी का नाम उजागर हुआ न किसी की गिरफ्तारी की गयी। बजाये इसके पूरी स्वतंत्रता से चुनाव में इन लोगों को भाजपा का प्रचार भी करने दिया गया। भाजपा के आईटी सेल के पदाधिकारी होने के नाते मध्य प्रदेश चुनाव प्रचार में यह भाजपा प्रत्याशियों के लिये अहम भूमिका अदा कर रहे थे।

खबरों के अनुसार वाराणसी पुलिस ने इन गुंडों को पिछले दिनों नव वर्ष के अवसर पर देर रात आवारागर्दी करने के दौरान गिरफ्तार किया तब इन्होंने अपने इस जुर्म को भी स्वीकार किया। इसके बाद इनसे की गयी पूछताछ के बाद पुलिस ने इनके विषय में जो दावा किया वह भी हैरान करने वाला था। पुलिस ने पूछताछ के बाद यह दावा किया कि तीनों अपराधियों ने यह स्वीकार किया है कि वे रात में शहर में युवतियों से छेड़खानी करने के आदी थे। गोया इसी तरह पहले भी यह कई लड़कियों की इस्मत व आबरू से खिलवाड़ कर चुके थे। परन्तु आईआईटी की वारदात के बाद लड़की की शिकायत के कारण दुष्कर्म की उनकी यह करतूत पहली बार सार्वजनिक रूप से उजागर हुई । पुलिस के अनुसार वारदात के रोज भी यह तीनों अपनी बाइक पर सवार होकर कई अलग अलग जगहों पर शशिकार श बनाने की गरज से किसी भी युवती की तलाश करते घूम रहे थे। इसी सिलसिले में वे तीनों पहले चेतगंज में सिगरा की ओर गए थे। सिगरा में तीनों ने लगभग 10 मिनट तक वहां शहीद उद्यान का कोना–कोना देखा। जब वहां कोई युवती नहीं मिली तो तीनों चेतगंज पहुंचे। चेतगंज में भी जब इन्हें कोई 'शिकार' नजर नहीं आया तब यह तीनों 'संस्कारी ' बेनिया होते हुए गिरजाघर की ओर गये । बेनिया पार्क के अंदर भी तीनों गए परन्तु वहाँ भी इन्हें कोई युवती नजर नहीं आयी । फिर अंत में यह तीनों गिरजाघर,अस्सी और लंका होते हुए बीएचयू में प्रवेश कर गये जहां बी टेक की यह बदनसीब छात्रा इनहें दिखाई दे गयी। जिसपर यह भेड़िये की तरह टूट पड़े। खबर है कि सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार इन तीनों भाजपा नेताओं के विरुद्ध वाराणसी के लंका थाने की पुलिस एक सप्ताह में अदालत में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। तीनों अपराधियों के पास से बरामद मोबाइल की जांच और डेटा रिकवरी के लिए फोरेंसिक लैब भेजा गया है। पुलिस का दावा है कि तीनों के खिलाफ सर्विलांस और सीसी फुटेज सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त इतने पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य हैं कि उन्हें अदालत से कठोर सजा जरूर मिलेगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार पुलिस तीनों बलात्कारियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई करेगी जिसकी तैयारी शुरू की जा चुकी है।

यह पहला मौका नहीं है जब तथाकथित 'संस्कारित' लोग इस तरह के घिनौने कृत्य में शामिल पाए गये हों। सितम्बर 2022 में पौड़ी जिले के अंकिता हत्याकांड को याद कीजिये। यहाँ स्थित यमकेश्वर क्षेत्र के एक रिसॉर्ट से 19 साल की लड़की अंकिता भंडारी लापता हो गई थी जिसकी हत्या के बाद उसका शव चीला नहर में फेंक दिया गया था। पुलिस ने इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी रिसॉर्ट मालिक पुलकित आर्य को गिरफ्तार किया था। पुलकित हरिद्वार के वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद आर्य का बेटा है। और भी देश के अनेक काण्ड जैसे जम्मू कश्मीर के कठुआ में बकरवाल समुदाय की आठ साल की बच्ची आसिफा से बर्बर गैंगरेप और इसके बाद इसमें शामिल बलात्कारियों को बचने के लिये इन्हीं 'बेटी बचाओ के झण्डा बरदारों ' द्वारा निकाली जाने वाली बेशर्मी पूर्ण तिरंगा, गुजरात का बिल्कीस बानो सामूहिक बलात्कार व हत्या काण्ड और इसमें सजा पाये हत्यारों व बलात्कारियों का समय पूर्व रिहा होना और रिहा होने पर इन्हीं बलात्कारियों का स्वागत करना जैसे अनेक उदाहरण हैं जो इन 'संस्कारियों ' की सच्चाई को बयान करते हैं। ऐसी घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये भी काफी है कि सत्ताधीशों के बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ के दावों और इसकी हकीकत में कितना अंतर है।

तुलसीदास के "दोहाशतक" में श्रीराम जन्मभूमि विध्वंस का वर्णन

–डॉ. राधेश्याम द्विवेदी–

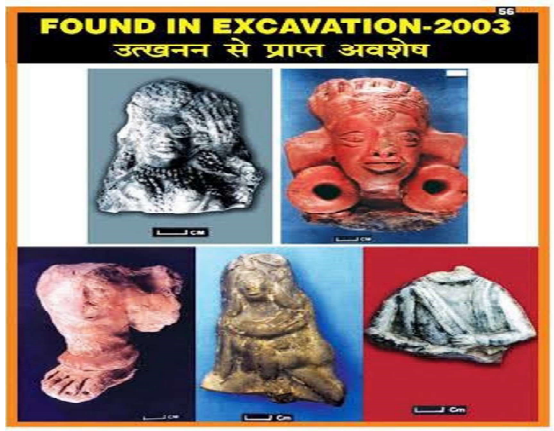

यह तर्क हमेशा दिया जाता रहा है कि अगर बाबर ने राम मंदिर तोड़ा होता तो यह कैसे सम्भव होता कि महान रामभक्त और राम चरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास इसका वर्णन पाने इस ग्रन्थ में नहीं करते । यही प्रश्न इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष भी था। गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने साहित्य व रचनाओं में अपने समय की प्रमुख घटनाओं का, राम जन्म भूमि पर हुए अत्याचार तथा बाबरी मस्जिद के बनाये जाने का उल्लेख किया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जब बहस शुरू हुई तो श्री रामभद्राचार्य जी को भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत एक विशेषज्ञ गवाह के तौर पर बुलाया गया और इस सवाल का उत्तर पूछा गया। उन्होंने कहा कि यह सही है कि श्री रामचरित मानस में इस घटना का वर्णन नहीं है लेकिन तुलसीदास जी ने इसका वर्णन अपनी अन्य कृति शतुलसी दोहा शतकश में किया है जो कि श्री रामचरित मानस से कम प्रचलित है। तुलसी दास जी ने दोहा शतक 1590 मे लिखा था। इसके आठ दोहे , 85 से 92, में मंदिर के तोड़े जाने का स्पष्ट वर्णन है।'तुलसी दोहा शतक' में इस बात का साफ उल्लेख किया है कि किस तरह से राम मंदिर को तोड़ा गया है।

अतः यह कहना गलत है कि तुलसी दास जो कि बाबर के समकालीन भी थे,ने राम मंदिर तोड़े जाने की घटना का वर्णन नहीं किया है और जहाँ तक राम चरित मानस कि बात है उसमे तो कहीं भी मुगलों की भी चर्चा नहीं है इसका मतलब ये निकाला जाना गलत होगा कि तुलसीदास के समय में मुगल नहीं रहे।

हमारे वामपंथी विचारको तथा इतिहासकारो ने ये भ्रम की स्थिति उतपन्न की,कि रामचरितमानस में ऐसी कोई घटना का वर्णन नही है । श्री नित्यानंद मिश्रा ने जिज्ञाशु के एक पत्र व्यवहार में 'तुलसी दोहा शतक ' का अर्थ इलाहाबाद हाई कोर्ट में प्रस्तुत किया है । हमनें भी उन दोहों के अर्थो को आप तक पहुँचाने का प्रयास किया है । गोस्वामी जी ने शतुलसी दोहा शतकश में इस बात का साफ उल्लेख किया है कि किस तरह से राम मंदिर को तोड़ा गया। प्रत्येक दोहे का अर्थ सहित वर्णन नीचे दिया गया है।

मन्त्र उपनिषद ब्राह्मनहुँ बहु पुरान इतिहास ।

जवन जराये रोष भरि करि तुलसी परिहास 85।।

श्री तुलसीदास जी कहते हैं कि क्रोध से ओतप्रोत यवनों ने बहुत सारे मन्त्र (संहिता), उपनिषद, ब्राह्मणग्रन्थों (जो वेद के अंग होते हैं) तथा पुराण और इतिहास सम्बन्धी ग्रन्थों का उपहास करते हुये उन्हें जला दिया ।

सिखा सूत्र से हीन करि बल ते हिन्दू लोग ।

भमरि भगाये देश ते तुलसी कठिन कुजोग 86।।

श्री तुलसीदास जी कहते हैं कि ताकत से हिंदुओं की शिखा (चोटी) और यग्योपवित से रहित करके उनको गृहविहीन कर अपने पैतृक देश से भगा दिया ।

बाबर बर्बर आइके कर लीन्हे करवाल ।

हने पचारि पचारि जन तुलसी काल कराल 87।।

श्री तुलसीदास जी कहते हैं कि हाँथ में तलवार लिये हुये बर्बर बाबर आया और लोगों को ललकार ललकार कर हत्या की । यह समय अत्यन्त भीषण था ।

सम्बत सर वसु बान नभ ग्रीष्म ऋतू अनुमानि ।

तुलसी अवधहिं जड़ जवन अनरथ किय अनखानि 88।।

इस दोहा में ज्योतिषीय काल गणना में अंक दायें से बाईं ओर लिखे जाते थे, सर (शर) = 5, वसु = 8, बान (बाण) = 5, नभ = 1 अर्थात विक्रम सम्वत 1585 और विक्रम सम्वत में से 57 वर्ष घटा देने से ईस्वी सन1528 आता है ।श्री तुलसीदास जी कहते हैं कि सम्वत् 1585 विक्रमी (सन 1528 ई) अनुमानतः ग्रीष्मकाल में जड़ यवनों अवध में वर्णनातीत (वर्णन न करने योग्य) अनर्थ किये ।

राम जनम महि मंदरहिं,तोरि मसीत बनाय ।

जवहिं बहुत हिन्दू हते,तुलसी कीन्ही हाय 89।।

जन्मभूमि का मन्दिर नष्ट करके, उन्होंने एक मस्जिद बनाई साथ ही तेज गति उन्होंने बहुत से हिंदुओं की हत्या की । इसे सोचकर तुलसीदास शोकाकुल हुये ।

दल्यो मीरबाकी अवध मन्दिर राम समाज ।

तुलसी रोवत ह्रदय हति त्राहि त्राहि रघुराज 90।।

तुलसीदास जी कहते हैं कि मीरबकी ने मन्दिर तथा रामसमाज (राम दरबार की मूर्तियों) को नष्ट किया । राम से रक्षा की याचना करते हुए विदिर्ण ह्रदय तुलसी रोये ।

राम जनम मन्दिर जहाँ तसत अवध के बीच ।

तुलसी रची मसीत तहँ मीरबकी खल नीच 91।।

तुलसीदास जी कहते हैं कि अयोध्या के मध्य जहाँ राममन्दिर था वहाँ नीच मीरबकी ने मस्जिद बनाई ।

रामायन घरि घट जहाँ,श्रुति पुरान उपखान ।

तुलसी जवन अजान तँह,करत कुरान अजान 92।।

श्री तुलसीदास जी कहते है कि जहाँ रामायण, श्रुति, वेद, पुराण से सम्बंधित प्रवचन होते थे, घण्टे, घड़ियाल बजते थे, वहाँ अज्ञानी यवनों की कुरआन और अजान होने लगे।

अब यह स्पष्ट हो गया कि गोस्वामी तुलसीदास जी की इस रचना में जन्मभूमि विध्वंस का विस्तृत रूप से वर्णन किया है ! इस प्रमाण से यह बात स्पष्ट हो जाता है कि मीर बाकी ने रामजन्म मंदिर को तोड़ा, मसजिद बनाई और कई हिंदुओं की हत्या की। ये दोहे शतुलसी दोहा शतकश नाम के संग्रह से लिए बताए जाते हैं। अब यह स्पष्ट हो गया कि गोस्वामी तुलसीदास जी की इस रचना में जन्मभूमि विध्वंस का विस्तृत रूप से वर्णन किया है। उच्चतम न्यायालय ने इस प्रमाण को अपने आदेश में उल्लेख भी किया है और उसे माना भी है।

लेखक परिचय–

(लेखक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, आगरा मंडल ,आगरा में सहायक पुस्तकालय एवं सूचनाधिकारी पद से सेवामुक्त हुआ है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश के बस्ती नगर में निवास करते हुए समसामयिक विषयों,साहित्य, इतिहास, पुरातत्व, संस्कृति और अध्यात्म पर अपना विचार व्यक्त करता रहता है।)

डीपफेक के बढ़ते खतरे

–रोहित माहेश्वरी–

डीपफेक दुनिया भर में एक बढ़ती हुई समस्या बन गई है क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति अब इंटरनेट पर यूजर के लिए आसानी से उपलब्ध है। दुनिया के कई दूसरे देशों की ही तरह भारत में भी डीपफेक का इस्तेमाल कर ऐसे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है जो सेलिब्रिटी हैं या फिर राजनीति से ताल्लुक रखते हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों के डीपफेक वीडियो ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के दुरुपयोग पर चिंता जताई है। कुछ समय पूर्व एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था और उसके तुरंत बाद कैटरीना कैफ की एक डीपफेक तस्वीर सामने आई थी।

एआई तकनीक की मदद से बनाई गई या रूपांतरित की गई अन्य छवियां भी देश और विदेश में प्रसारित हुई हैं। छवियां कृत्रिम रूप से लगभग पूर्णता के साथ इस तरह से बनाई गई हैं कि वे देखने और सुनने में वास्तविक जैसी ही वास्तविक लगती हैं। वास्तविकता से छेड़छाड़ एआई से की जाती है जो पिछले कुछ वर्षों में काफी आगे बढ़ चुका है। मॉर्फिंग और ऐसी शरारती गतिविधियां कई वर्षों से प्रचलन में हैं, लेकिन सतर्क आंख या कान और निश्चित रूप से प्रौद्योगिकी द्वारा उनका पता लगाया जा सकता है। लेकिन एआई की मदद से बनाई गई चीजों के मामले में सबसे अच्छी तकनीक भी अक्सर नकली और असली में अंतर करने में असमर्थ होती है।

डीपफेक उस ऑडियो, वीडियो, फोटो मीडिया को कहा जाता है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए छेड़छाड़ कर किसी के चेहरे पर दूसरे का चेहरा लगा दिया जाता है। डीपफेक तकनीक में वास्तविक फुटेज के ऑडियो और वीडियो से छेड़छाड़ की जाती है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर नेताओं और प्रसिद्ध हस्तियों की छवि को धूमिल करने के लिए किया जाता है। डीपफेक का शिकार कोई भी हो सकता है, लेकिन महिलाएं खासकर इसके निशाने पर होती हैं। जानकारों का कहना है कि सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले लोग साइबर अपराधियों का ज्यादातर निशाना बनते हैं और डीपफेक बनाने वाले सोशल मीडिया से ही लोगों के वॉयस सैंपल और तस्वीरें निकाल लेते हैं।

जानकारों के अनुसार, भारतीय समाज बिल्कुल असमान है। इसके पितृसत्तात्मक मूल्यों, जातिवाद और बहुसंख्यकवाद को देखते हुए डीपफेक का उपयोग हाशिए पर रहने वाले समूहों के लोगों को ज्यादा गंभीरता से प्रभावित करेगा। डीपफेक के जरिए किया जाने वाले अपराधों का अधिकांश हिस्सा क्रिमिनल और सिविल लॉ के मौजूदा प्रावधानों के दायरे से बाहर होगा जो इंपर्सनेशन, हेट स्पीच या अश्लीलता को प्रतिबंधित करते हैं। उचित कानूनी प्रावधान के अलावा कानूनों को जमीनी स्तर पर लागू करने में कमी का मामला भी तो है।

राजनीतिक दलों, राजनेताओं और सार्वजनिक अधिकारियोंय सभी को आसानी से डीपफेक का शिकार बनाया जा सकता है। यह भी गंभीरता से सोचने लायक है कि कैसे सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खोजी पत्रकारिता के खिलाफ आसानी से संदेह पैदा किया जा सकता है क्योंकि पत्रकारों के ऑडियो या वीडियो साक्ष्य को डीपफेक करार दिया जा सकता है। कुल मिलाकर, यह सब मिलकर चुनावों में हेरफेर से नुकसान पहुंचाएगा, सामाजिक विभाजन बढ़ाएगा और संस्थानों पर भरोसे को बट्टा लगाएगा।

एक संभावित जोखिम यह भी है कि पर्याप्त फंडिंग और मोबलाइजेशन के साथ कई प्रतिकूल ताकतों द्वारा सिंथेटिक कंटेंट का पूरा खजाना तैयार किया जाएगा, जो पूरी तरह से वैकल्पिक वास्तविकता को सामने लाने के लिए डीपफेक की एक सीरीज का निर्माण करेगा। इतनी बड़ी चुनौती पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या रही है? 21 जुलाई, 2023 के एक संसदीय प्रश्न के उत्तर में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आईटी रूल्स, 2021 के प्रावधानों का हवाला दिया जिसके तहत शिकायत मिलने पर आपत्तिजनक सामग्री को वर्चुअल वर्ल्ड से हटाने का आदेश संबंधित इंटरनेट कंपनी को दिया जाता है।

नेपाल पुलिस के ऑपरेशन क्लीन स्वीप में कई चोरी के भारतीय वाहन बरामद

संवाददाता—महराजगंज। भारत के कई राज्यों व कस्बों से चोरी की गई दो पहिया व चारपहिया वाहन बॉर्डर पार कर नेपाल में खपाया जा रहा है। नेपाल में पहुंचते ही भारतीय वाहनों के नंबर नेपाली नंबरप्लेट में तब्दील हो जा रहे हैं। फिर सस्ते दामों में खरीद कर लोग धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बात का खुलासा नेपाल की रूपंदेही पुलिस वाहनों की चेकिंग अभियान मे दो दर्जन से अधिक दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन के बरामदगी से हुआ है। इन वाहनों के पास कागजात नहीं थे। बरामद गाड़ियां भारतीय बाजार से चोरी कर इस्तेमाल की जा रही थी। नेपाल के रूपंदेही पुलिस के एसपी भरत बहादुर के निर्देश पर ऑपरेशन क्लीन स्वीप चलाया जा रहा है। दोनों देशों की सीमाओं पर वाहनों का धड़ल्ले से आवागमन होता है। ऐसे में नेपाल पुलिस की कार्रवाई ने चोरी की बाइक खरीद कर चलाने वालों को भी सक्ते में डाल दिया है। नेपाल में बाइक एवं कार के दाम भारतीय बाजार से काफी महंगे हैं। यही वजह है की चोरी हुई बाइक या कार नेपाल में सस्ते दामों में लोग खरीद कर इस्तेमाल करते हैं। भारत के विभिन्न कस्बो से बड़ी संख्या में चोरी हो रहे वाहनों का पुलिस मुकदमा तो दर्ज कर लेती है। लेकिन कुछ ही वाहनों को बरामद कर पाती है। वर्षो बीत जाते हैं लेकिन वाहनों का पुलिस सुराग तक नहीं लगा पाती। जानकार बताते है कि चोरों का नेटवर्क इतना तेज है कि वाहन चोरी की सूचना पुलिस तक पहुंचने से पहले चोरों का रैकेट वाहन को लेकर संबंधित थाना क्षेत्र की हद से काफी दूर निकल चुका होता है। मौका पाते ही पगडंडी रास्तों के जरिए नेपाल की सीमा में दाखिल हो जाता है। वाहन लिफ्टर नेपाल में दाखिल होते ही चोरी के वाहनों को सुरक्षित ठिकाने पर पहुंचा कर वापस भारत के कस्बो में धमा चौकड़ी करता हुआ आगे की टारगेट में लग जाता है। नौतनवा, सोनौली, कोल्हुई, ठूठीबारी सहित नेपाल की लगी सीमाओं के कस्बों से भी बड़ी संख्या में बाइक चोरी की घटनाएं स्थानीय थानों में दर्ज हैं। नेपाली नंबर प्लेट की बाइक पकडंडी रास्तों के जरिए भारतीय सीमा में पूरा दिन आवागमन करती है। अधिकांश वाहन तो तस्करी के इस्तेमाल में भी लिए जाते हैं। जिसका कोई रोक—टोक नहीं होता है। इस मामले में एएसपी आतिश कुमार सिंह का कहना है कि सघन जांच में आए दिन चोरी के वाहन बरामद हो रहे हैं। कार्रवाई भी हो रही है। बार्डर खुला है। एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर सीमा क्षेत्र में निरंतर जांच जारी है।

फूड सेफ्टी टीम की जांच में छेना में स्टार्च व दाल में रंग मिला

संवाददाता—महराजगंज। शासन के निर्देश पर फूड सेफ्टी ऑन व्हीकल घुघली कस्बे में गुरुवार को पहुंची। इस दौरान खाद्य पदार्थों का नमूना लेकर जांच किया। मौके पर छेना व दाल में मिलावट पाई गई। जिसपर दुकानदार को उसे न बेचने की सलाह दी गई। बताया कि अभी केवल जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आगे मिलावट मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। टीम के पहुंचते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया। गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र वर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार पांडेय, एनालिस्ट प्रीति चौबे फूड सेफ्टी गाड़ी के साथ घुघली में पहुंचे। वैन को देखकर दुकानदारों के होश उड़ गए। इस दौरान टीम ने दुकानों पर रखे तिल, बेसन, दाल, लड्डू, लालमोहन, रसगुल्ला, नमकीन, बर्फी, खोवा, पनीर, तेल सहित 50 नमूने लेकर मौके पर परीक्षण किया। मशीन में जांच के दौरान छेना में स्टार्च और मसूर की दाल में रंग मिला पाया गया। इसपर अधिकारियों ने दुकानदार को बताया कि अभी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। भविष्य में मिलावट बेचते मिलने पर विविध कार्रवाई कर दी जाएगी। वहीं टीम को देखकर कुछ दुकानदार शटर गिराकर फरार हो गए। जिससे उनके यहां जांच नहीं हो सकी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि पूरे जिले के सभी क्षेत्रों में जाएगी। अभी दुकानदारों व ग्राहकों को जागरूक किया जा रहा है। इसके बाद लीगत तरीके से जांच अभियान चलेगा। उसमें मिलावट मिलने पर केस चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित पांडेय ने बताया कि अब मिलावट करने वालों की खैर नहीं है। दुकानदारों को खाद्य सामानों को साफ सुथरा बिना मिलावट के बेचना होगा। जागरूकता अभियान जारी रहेगा।

22 जनवरी को भव्य मंदिर में विराजेंगें रामलला भक्तों को मिलेगी वर्ल्ड क्लास की सुविधा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

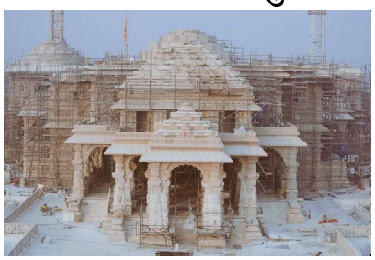

अयोध्या। भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है अब प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मात्र 16 दिन बचे हैं 17 में दिन यानी 22 जनवरी को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बालक रूप में भगवान की प्रतिमा की प्रतिष्ठा करेंगे और जो मूर्ति स्वयं मंदिर में प्रकट हुई थी वह उत्सव मूर्ति के रूप में ही गर्भ गृह में विराजमान रहेगी जहां प्रभु श्री राम अपने भक्तों को दर्शन देंगे यानी मंदिर का भूतल बनकर तैयार हो गया है साफ सफाई हो रही है 17 जनवरी से जब प्रभु श्री राम नगर भ्रमण पर निकलेंगे उसी दिन से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएगा लेकिन मंदिर कितना भाव होगा और उसमें कौन—कौन सी सुविधाएं होंगी।

सबसे पहले मंदिर परंपरागत नागर शैली में बनाया जा रहा है अधिकतर उत्तर भारत में जितने भी मंदिर बनते हैं वह नागर शैली के होते हैं और दक्षिण भारत में या यूं कहीं रामानुज संप्रदाय के अधिकतर मंदिर द्रविड़ शैली में होते हैं। श्री राम मंदिर की लंबाई पूरब से पश्चिम 380 फिट है और चौड़ाई 250 फीट और जब मंदिर बनकर तैयार होगा तब उसके शिकार की ऊंचाई 161 फीट होगी जो हनुमानगढ़ी के बाद अयोध्या में सबसे ऊंचा मंदिर होगा। श्री राम मंदिर तीन ताल का होगा जिसमें भूतल बनकर तैयार हो गया है प्रथम तल बन रहा है और द्वितीय तल प्रथम तल तैयार होने के बाद बनेगा और ऐसी संभावना है कि 2025 तक पूरा मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा इसमें प्रत्येक मंजिल की ऊंचाई 20 फिट होगी और कल 392 खंबे लगेंगे और मंदिर परिसर में 44 द्वारा होंगे। भूतल पर प्रभु श्री राम लला विराजमान होंगे प्रथम तल पर श्री राम लाल का दरबार लगेगा और द्वितीय तल पर किसको विराजमान किया जाएगा इसका निर्णय अभी नहीं हुआ है ऐसा चंपत राय ट्रस्ट के महासचिव कई बार बता चुके हैं। प्रभु श्री राम लला दर्शन के लिए भक्तों को 32 सीढ़ियां चढ़कर सिंह द्वारा से जाना होगा। मंदिर परिसर में वृद्धो और विकलांगों के लिए भी व्यवस्था की गई है। मंदिर के चारों तरफ आयताकार पर कोटा चारों दिशाओं में होगा जिसकी कुल लंबाई 732 मीटर होगी और चौड़ाई 14 फिट रहेगी।परकोटा के चारों कोनों पर सूर्यदेव, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव को समर्पित चार मंदिरों का निर्माण होगा। उत्तरी भुजा में मां अन्नपूर्णा, व दक्षिणी भुजा में हनुमान जी का मंदिर रहेगा और मंदिर के समीप पौराणिक सीताकूप भी विराजमान है इसी के साथ—साथ मंदिर में 5 मंडप होंगेरु नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप व कीर्तन मंडप भी होगा। जब मंदिर इतना भाव है और देश—विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन करेंगे तो श्रद्धालुओं के लिए भी मंदिर में सुविधा का ध्यान रखा गया है जिसमें 25000 लोगों के दर्शनार्थी सुविधा केंद्र लगभग बनकर तैयार हो गया है मंदिर के पास अपनी बिजली है सीवर लाइन अपनी है पानी की व्यवस्था है शौचालय की व्यवस्था है और साथ—साथ जनरेटर भी है जिस की मंदिर परिसर की सुविधा के लिए अयोध्या वासियों को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, अग्निशमन के लिए जल व्यवस्था तथा स्वतंत्र पॉवर स्टेशन का निर्माण किया गया है, ताकि बाहरी संसाधनों पर न्यूनतम निर्भरता रहे। मंदिर परिसर में पर्यावरण का भी ध्यान रखा गया है पूरी भूमिका 70 प्रतिशत भाग फूलों से हरा—भरा और सुंदर दिखाई देगा साथ ही साथ मंदिर परिसर के कुबेर टीले पर रामायण कालीन गिद्धराज जटायु की प्रतिमा स्थापित हो गई है जिसका भी अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और आज ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने वहां रुद्राक्ष के पौधे का भी रोपण किया है। प्रभु श्री राम लला के स्थापना के बाद मंदिर परिसर में रामायण कालीन महर्षियों के मंदिर प्रस्तावित हैं जिनमें मुख्य रूप से महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी व ऋषिपत्नी देवी अहिल्या को समर्पित होंगे। कल्पना से परे प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर अब आराध्य का इंतजार कर रहा है और 22 तारीख को जब प्रभु श्री राम का दरबार अपने भव्य मंदिर में लगेगा तो पुरा भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में रहने वाले सभी सनातन धर्म को मानने वाले या श्रीराम में आस्था रखने वाले राम राज्य की कल्पना करने वाले लोगों की मुराद पूरी हो जाएगी।

मुस्लिम समाज ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को पर्व के रूप में मनाने का किया अपील

संवाददाता—महराजगंज। अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन का समय जैसे—जैसे नजदीक आ रहा है लोगों में उत्साह बढ़ता दिख रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन को पर्व के रूप में मनाने के लिए जहां हिंदू संगठन लोगों के घरों तक जाकर दीप जलाने की अपील कर रहे है तो वहीं मुस्लिम समाज के लोग भी प्राण प्रतिष्ठा के दिन को पर्व के रूप में मनाने की गुजारिश कर लोगों को अक्षत निमंत्रण भी दे रहे हैं।

पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग कस्बे के विभिन्न वार्डों में घर—घर जाकर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के दौरान सुबह से ही घरों में पूजा पाठ करने एवं शाम के समय घरों में दीप जलाने की अपील किया। गुड्डू खान ने कहा कि भारत का हर नागरिक सभी के धर्म का सम्मान करता है। इस दौरान रफीउल्लाह, मोहम्मद आनश, सद्दाम ,राफात अली, शहनवाज खान,जावेद अंसारी, साबिर अली, मोनू, मुकेश सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

शादी के बाद विदाई के समय दूल्हे ने पत्नी को दिया तीन तलाक, दंग रह गए लोग

संवाददाता—बहराइच। ट्रिपल तलाक की तमाम घटनाएं आप लोगों ने सुना देखा होगा। लेकिन एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां दूल्हा सेहरा बांधकर दुल्हन के घर पहुंचा। दूल्हे के साथ आए बाराती डीजे की धुन में नाच गा रहे थे। शादी संपन्न हो गई। लेकिन दुल्हन की विदाई के समय एकाएक बात कुछ यूं बिगड़ी कि दूल्हा किसी की बात सुनने को तैयार नहीं हुआ। दुल्हन को तीन तलाक देकर बारात लेकर वापस लौट गया। बहराइच जिले अंतर्गत मटेरा थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा हुआ है। एक गांव निवासी पुत्री की शादी बहराइच जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के कसीहर्रहमान के साथ तय हुआ था। जहां से दूल्हा निर्धारित समय पर बारात लेकर अपने ससुराल पहुंचा। जिसमें बारातियों ने जमकर मौज मस्ती करते हुए दावत भी उड़ाई। लेकिन दूल्हे की एक मांग न पूरी होने के कारण दूल्हा नाराज हो गया। जिससे बारातियों और घरातियों में हड़कंप मच गया। निकाह के तुरंत बाद दूल्हा बीवी को तीन तलाक देकर बारातियों संग वापस लौट गया। मामले में पीड़ित लड़की के पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है।

मटेरा पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़ित पिता ने आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके पुत्री की शादी विपक्षी कसीहर्रहमान के साथ तय हुई थी। 24 दिसंबर को विपक्षी बारात लेकर के घर आया। दोपहर बाद बरात पहुंची, बारातियों को नाश्ता खाना दिया गया। फिर विपक्षी का पुत्री के साथ निकाह हुआ। जिसमे पीड़ित ने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया। विदाई के समय विपक्षी दूल्हा बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर अड़ गया, कहा कि बुलेट मोटरसाइकिल नहीं मिलेगी तो विदाई नहीं कराएंगे। दूल्हे को मनाने के लिए पीड़ित पिता ने लाख कोशिश की लेकिन दूल्हा अपने जिद पर अड़ा रहा। जिसके बाद परिवार वालों संग एक राय होकर दूल्हे ने नई नवेली दुल्हन को तीन तलाक देकर विवाह में लाए हुए सामान को वापस लेकर बारातियों सहित लौट गया।

पीड़ित पिता का आरोप है कि पूरी शादी में लगभग 8 लाख रुपए का खर्च हुआ है। आरोपियों के कृति से पीड़ित पिता के मान सम्मान को भी नुकसान पहुंचाया गया है। पीड़ित पिता के शिकायती पत्र पर मटेरा पुलिस ने दूल्हा सहित चार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

पिकअप टक्कर से 100 मीटर तक घिसटती चली गई छात्रा

संवाददाता—महराजगंज। गगहा थाना क्षेत्र के हाटा बाजार में फोरलेन पार कर रही छात्रा को गुरुवार सुबह पिकअप ने टक्कर मार दी, जिससे छात्रा बुरी तरह घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के चिमचा निवासी सूर्यनाथ की अट्ठारह वर्षीय सपना कुमारी बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह प्रतिदिन की भांति सुबह पढ़ने के लिए विद्यालय जा रही थी, अभी वह हाटाबाजार स्थित फोरलेन सड़क पार कर रही थी तभी गोरखपुर की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने उसे टक्कर मार दी। छात्रा पिकअप में फंसकर घिसटते हुए लगभग 100 मीटर दूर चली गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर शीतावकाश कराने की मांग

संवाददाता—महराजगंज। कड़ाके की ठंड को देखते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर शीतावकाश किए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को डीएम को मांग पत्र दिया। कहा कि प्रदेश के सभी प्राथमिक विद्यालयों में एक जनवरी से 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे बच्चों की छुट्टी नहीं की गई है। इससे छोटे—छोटे बच्चों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

प्रधानमंत्री के स्वागत के बाद, प्राण प्रतिष्ठा में सहभागिता के लिए तैयार हो रहे हैं दिव्यांग बच्चें

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रभु श्री राम लाल के स्वागत के लिए अपने—अपने तरीके से अयोध्यावासी तैयारी कर रहे हैं वहीं सेवा क्षेत्र में अपने आपको समर्पित करने वाली डॉ रानी अवस्थी के मुस्कान पुनर्वास केंद्र के मूक बधिर बच्चे भी रामलला तैयारी में जुट गए हैं वैसे तो अयोध्या में कोई भी कार्यक्रम हो मुस्कान पुनर्वास केंद्र के बच्चे सभी प्रति भागों में भाग लेते हैं और उनकी सराहना भी होती है चाहे वह दीपोत्सव हो या अन्य कोई कार्यक्रम। डॉ रानी अवस्थी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों मानसिक रूप से अपने आप ही कुंठा का शिकार हो जाते हैं लेकिन जब उनको ऐसी एक्टिविटी में भाग लेने का अवसर प्राप्त होता है तो उनके अंदर भी उत्साह जागृत होता है और वह समाज के साथ अपने आप को जोड़कर देखने लगते हैं यही कारण है कि विद्यालय में पढ़ने वाले जितने भी दिव्यांग बच्चे है उनको हमेशा एक्टिव रखने के लिए अयोध्या के साथ—साथ देश में चाहे वह खेल प्रतियोगिता हो या कोई भी एक्टिविटी हो हम लोग उसमें उनका प्रतिभा दिलाते हैं जिससे उनके अंदर नई ऊर्जा की जागृति होती है। उन्होंने बताया कि 30 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो अयोध्या में हुआ था और प्रधानमंत्री मोदी ने ही विकलांग से छुटकारा दिला करके दिव्यांग नाम दिया तो जब अवसर मिला तब मुस्कान पुनर्वास केंद्र के मूक बधिर बच्चों मोदी जी के आगमन पर उनके स्वागत के लिए घंटों रोड पर इंतजार करते रहें और जब रोड शो के समय मोदी जी बच्चों के सामने से गुजरे तो बच्चों ने फूलों की वर्षा की ,तिरंगा झंडा दिखाया तथा हाथ हिलाकर अभिवादन किया मोदी जी की निगाह जब बच्चों से टकराई तो उन्होंने बिना देर किए उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। बच्चे अपनी खुशी व्यक्त करते हुए फूले नहीं समा रहे थे कह रहे थे हमारे प्रधानमंत्री बहुत अच्छे हैं। जब संस्था का बैनर टीवी पर दिखा तो बच्चे और भी खुश हो गए कि हम लोग टीवी पर भी आ गए। मोदी जी ने अयोध्या आकर अनजाने में इन दिव्यांग बच्चों को खुशी दी तथा सभी को उत्साह से भर दिया।

सीएम योगी को एक्स पर मिली हत्या की धमकी, सिरफिरे का देवरिया सामूहिक हत्याकांड से है कनेक्शन

संवाददाता—देवरिया। जिले के फतेहपुर में हुए सामूहिक नरसंहार मामले को लेकर एक युवक ने सीएम योगी को धमकी देते हुए ट्वीट किया है। उसने लिखा— "" अगर प्रेम चंद्र यादव का मकान गिराया गया तो योगी की हत्या निश्चित है। इस सामूहिक नरसंहार में मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य का मकान सरकारी जमीन पर पाए जाने को लेकर तहसीलदार कोर्ट के फैसले को डीएम कोर्ट ने जारी रखा है। मामले में कई तारीखों पर हुई सुनवाई के बाद मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य पक्ष की अर्जी खारिज हो गई। जिसके बाद प्रेम चंद्र यादव के मकान को जल्द गिराने जाने की चर्चा होने लगी है।सीएम को धमकी देने के मामले में पुलिस भी फौरन हरकत में आई। एसपी ने साइबर सेल को अलर्ट पर रहते हुए आरोपी पर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया और रुद्रपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया।

एसपी संकल्प शर्मा ने बताया , गुरुवार को भोर में तीन बजे थाना रुद्रपुर में कोतवाल महेंद्र कुमार चतुर्वेदी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर सेल को जांच के लिए निर्देश दिए गए हैं। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। दरअसल, रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोला में बीते साल 2 अक्टूबर की सुबह पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव की हत्या कर दी गई थी। इससे आक्रोशित प्रेमचंद के परिजनों और समर्थकों ने धारदार हथियार, लाठी डंडों और रायफल से हत्यारोपी सत्यप्रकाश दुबे समेत उनके परिवार के 5 सदस्यों की हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मच गया था। जिसके बाद हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

अक्षत बांटकर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने की अपील

संवाददाता—गोण्डा। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने जा रहे श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अंतर्गत उस दिन अपने—अपने घर के आस—पास के मंदिरों पर पूजन अर्चन करने के लिए गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद् व बजरंग दल पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने वाल्मीकि बस्ती, नई बस्ती, कटारिया, सुभाष इत्यादि क्षेत्रों में घर—घर पहुंचकर अयोध्या का पूजित अक्षत दिया। पदाधिकारियों ने लोगों से भव्य रूप से श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने की अपील भी की। अलग—अलग टोलियों में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता मोहल्लों में पहुंचे और महिलाओं – पुरुषों से मिलकर पूजित अक्षत व निमंत्रण पत्र दिया। अक्षत वितरण कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे विहिप के सह विभाग मंत्री भरत गिरि व नगर अध्यक्ष आशीष मोदनवाल ने कहा कि 496 वर्षो बाद यह अवसर आया है कि जब प्रभु श्री रामलला अपने जन्म स्थान पर भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। ऐसे में पूरा देश अयोध्या बन जाए व राममय हो जाए इसके लिए कार्यकर्ता घर—घर पहुंचकर अक्षत व निमंत्रण पत्र देकर लोगों को प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाने का आह्वान कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 1 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान भरत गिरि, आशीष मोदनवाल, बबलू वर्मा,पंकज सोनी,धर्मेंद्र सिंह, संदीप यादव, चंदन गुप्ता, संदीप सिंह,अरविंद सोनी, रजत सोनी, आशीष गुप्ता, पप्पू मोदनवाल,राजेन्द्र सिंह, राधे रमण, विजय वर्मा रहे।

बंद पड़ा किसानों के खेतों का मिट्टी परीक्षण

संवाददाता—बलरामपुर। उप सम्भागीय कृषि कार्यालय उतरौला में तकनीकी उपकरण न होने से दो वर्षो से किसानों के खेतों का मिट्टी परीक्षण बंद पड़ा है। मिट्टी परीक्षण बंद होने से तहसील उतरौला क्षेत्र के किसानों की मिट्टी जिला मुख्यालय पर भेजी जाती है। जिला मुख्यालय पर मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट महीनों बाद मिलने से किसानों के उपयोगिता में नहीं रह जाती।

शासन ने किसानों को खेती के लिए सुविधाएं दिलाने के लिए तहसील स्तर पर उप सम्भागीय कृषि कार्यालय उतरौला में स्थापित किया है। इसमें किसानों के खेतों की मिट्टी परीक्षण, खेती करने के आधुनिक तरीकों व उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था रहती है, लेकिन कार्यालय का भवन जर्जर होने से इस कार्यालय में वर्षो से किसानों के खेत का मिट्टी प्रशिक्षण व गोष्ठी कृषि विभाग ने नहीं कराया है। इस कार्यालय में मिट्टी परीक्षण के लिए लगने वाले आधुनिक संयंत्र फ्लेम फोटो मीटर, डीसी मीटर, डीएम मीटर समेत तमाम संयंत्र कृषि विभाग की उदासीनता से नहीं लग सकें हैं। संयंत्रों के अभाव में इस कार्यालय में मिट्टी परीक्षण का कार्य बंद पड़ा है। किसानों के मिट्टी परीक्षण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर कृषि विभाग ने संविदा पर टेक्निकल कर्मचारी तैनात कर रखा है जो किसानों के खेतों की मिट्टी का नमूना लेकर इस कार्यालय में इकट्ठा कर उसे जिला मुख्यालय परीक्षण के लिए भेजते हैं। जिसकी रिपोर्ट बनने में महीनों लग जाते हैं। मृदा परीक्षण अध्यक्ष छोटे लाल ने बताया कि मृदा परीक्षण के लिए आधुनिक मशीनों की मांग एक वर्ष पूर्व कृषि निदेशक से की गई है। मृदा परीक्षण के लिए प्रत्येक विकासखण्ड से 600 मिट्टी नमूनों को इकट्ठा किया गया है। जिसमें अधिकांश मृदा का परीक्षण कर उसमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच जिले पर किया जा चुका है। उसकी रिपोर्ट किसानों को भेज दी गई है।

सुर—संग्राम के मंच पर दिखा भोजपुरी का जलवा

संवाददाता—गोण्डा। नन्दिनी के इंडोर स्टेडियम में चल रहे गायकी के चैम्पियनशिप के फिनाले में जगह पाने के लिए गुरुवार को गोरखपुर मंडल के युवा गायकों ने आडिशन में अपने सुरीले आवाज से ज्यूरी के दिल मे जगह बनाने का प्रयास किया। गायकी में पूर्वांचल को विशेष पहचान दिलाने वाली भोजपुरी ने भी अपना जलवा बिखेरा। गुरुवार को नान—फिल्मी गायकों का पलड़ा फिल्मी के तुलना में काफी भारी रहा।

चैम्पियनशिप के आयोजक सांसद बृजभूषण शरण सिंह के दीप प्रज्ज्वलन से आडिशन का आगाज हुआ। इसके बाद बारी– बारी से तीन दर्जन बालक और बालिकाओं ने मंच पर माइक संभालते हुए अपने सुर—ताल—लय से लोगों को मुदित कर दिया। उमा शंकर के स्वर मे श्र कवना कसूर हमसे कईलू.. गीत की दर्शकों की जमकर सराहना की। वहीं, गोपाल कृष्ण ने श्र चांदी जैसा रंग है तेरा... गाकर महफिल में समां बांध दिया। बालिकाओं में स्वस्तिक श्रीवास्तव के श्हमरी अटरिया... भी निर्णायको के परीक्षण में खरा दिखा। आयुषी चौधरी की श्आईए हुजूर की प्रस्तुति काबिले तारीफ रही। चौथे दिन शाम को घोषित परिणाम में 10 प्रतिभागियों को ग्रैंड फिनाले के सेमीफाइनल में प्रवेश मिला। नवोदित गायकों की हौसला—अफजाई के लिए ज्यूरी कमेटी के फनकारों ने भी गीत सुनाया। जिसमे इसरार अहमद मुंबई, मुन्ना सहारा और जेपी कश्यप के नाम प्रमुख है। कार्यक्रम के संयोजक महेन्द्र सिंह ने चुने गए प्रतिभागियों को मंच पर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों में प्राचार्य डा. बीएल सिंह, मुख्य नियन्ता डा. देवानंद त्रिपाठी, डा. नवीन सिंह, डा. शत्रुघ्न सिंह, डॉ. रजनीश चन्द्र पाण्डेय, डॉ. जितेंद्र प्रताप झा, सुधीर यादव रहे। गुरु गोरखनाथ की नगरी से प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के लिए चुने गायकों में फिल्मी (सीनियर) में किशन श्रीवास्तव, अपूर्वा सोनी, लवकुश शर्मा, अंजली कनौजिया और श्याम सोनी शामिल हैं। वहीं नान फिल्मी मे उमा शंकर मौर्य, सगुन श्रीवास्तव, ज्योति निषाद और गोपाल कृष्ण के नाम है। नान—फिल्मी के सीनियर और जूनियर मे सेमीफाइनल मे पहुचने वाले बालक—बालिकाओ मे आयुष मिश्रा, आयुषी चौधरी, स्वास्तिक श्रीवास्तव के नाम है।

सड़क हादसे में सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मी की मौत

संवाददाता—गोण्डा। बहलोलपुर बाजार के पास गुरुवार सुबह सैर कर रहे सेवानिवृत्त स्वास्थ्यकर्मी को अज्ञात वाहन ने पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने उन्हें आनन—फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घर के मुखिया के मौत से परिजनों का रो—रोकर हाल बेहाल है।

इटियाथोक थानाक्षेत्र के पारासराय निवासी भास्कर नाथ तिवारी प्रतिदिन की भांति गुरुवार सुबह पड़ोस गांव सादिकपुरवा के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ गोंडा बलरामपुर रोड पर सैर कर रहे थे। जैसे ही दोनों बहलोलपुर बाजार के समीप पहुंचे पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने भास्कर तिवारी को जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ मौजूद मुन्नालाल की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें घायल अवस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों का रो—रोकर हाल बेहाल है। ग्राम प्रधान अशोक वर्मा ने बताया कि भास्कर नाथ तिवारी सदाशिव पीएचसी में वार्डब्वॉय थे और पिछले जून में सेवानिवृत्त हुए थे। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उनका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मैं जितेंद्र आव्हाड को मार डालूंगा, भगवान श्रीराम पर दिए अपमानजनक बयान पर भड़के परमहंस आचार्य

संवाददाता–अयोध्या। कर्नाटक के बाद महाराष्ट्र में भगवान राम के नाम पर राजनीतिक विवाद हो रहा है। शरद पवार वाली एनसीपी के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने भगवान राम को मांसाहारी बताया, इस पर भाजपा नेता राम कदम ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने भी बयान की निंदा की है। अयोध्या के परमहंस आचार्य ने भी चेतावनी दी है। शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड के बयान पर राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि एनसीपी के नेता जो बोल रहे हैं वो बिल्कुल गलत है। किसी भी शास्त्र में ऐसा नहीं लिखा है कि भगवान जब वनवास के लिए गए थे तो उन्होंने मांस खाया था। सभी जगह लिखा है कि उन्होंने कंद–मूल फल खाए, शास्त्र ही प्रमाण हैं। ये विचार निंदनीय हैं। एनसीपी शरद पवार गुट के नेता जीतेंद्र आव्हाड के बयान पर अयोध्या के परमहंस आचार्य का कहना है कि जितेंद्र आव्हाड द्वारा दिया गया बयान अपमानजनक है। भगवान राम भक्तों की भावना को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र और केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि वे इस पर कार्रवाई करें। भगवान राम के बारे में गलत बोलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अगर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो मैं जितेंद्र आव्हाड को मार डालूंगा। मैं चेतावनी दे रहा हूं। महाराष्ट्र के शिरडी में बुधवार को एक कार्यक्रम में आव्हाड ने कहा था कि भगवान राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति 14 साल तक जंगल में रहेगा वो शाकाहारी भोजन खोजने कहां जाएगा? उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या यह सही बात है या नहीं? उन्होंने आगे कहा था, कोई कुछ भी कहे, सच्चाई यह है कि हमें आजादी गांधी और नेहरू की वजह से ही मिली। यह तथ्य कि इतने बड़े स्वतंत्रता आंदोलन के नेता गांधी जी ओबीसी थे, उन्हें (आरएसएस को) स्वीकार्य नहीं है। गांधीजी की हत्या के पीछे का असली कारण जातिवाद था।

राजू दास ने अखिलेश यादव को बताया कालनेमि, बोले– आपके पिता ने हजारों राम भक्तों के प्राणों की आहुति ली

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास आए दिन किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं। गुरुवार को महंत राजूदास ने सुल्तानपुर के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। राजूदास ने कहा कि अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के उद्घाटन में अखिलेश यादव नहीं आएंगे, क्यों कि उन्हें डर है कि कहीं मुसलमान वोट ना छिटक जाएं। इसलिए वे आमंत्रण की बात करते हैं। अखिलेश यादव के पिता ने कई हजार रामभक्तों की प्राणों की आहुति ली। राजू दास ने कहा कि अखिलेश जी आपसे निवेदन है कि आप कालनेमि वाले रूप का त्याग करो। प्रभु राम सबके हैं। ठीक है, इस कार्यक्रम में आप डर से नहीं आ सकते हो, क्योंकि आपको डर है कि मुसलमान नाराज हो जायेगा। अब हिंदुस्तान का हिन्दू और मुसलमान जग चुका है। मुसलमान भी चाह रहा था कि इस मामले में पट्टाक्षेप हो जाए, क्योंकि आप इस मामले में खूब मजे लेते थे। राजू दास ने आगे कहा कि राजू दास ने तंज कसते हुए कहा कि कुर्सी पर बैठकर और टोपी पहनकर और उनको टोपी पहनाकर, जो करते थे अब वह खत्म हो गया है। अब कोर्ट के द्वारा निर्णय, राम भक्तों की आहुति, 500 वर्षों के संघर्षों, 76 बार लड़ाई के बाद 5 लाख से ज्यादा राम भक्तों ने इसके लिए प्राणों की आहुति दिया। जिसमें आपके पिता ने भी कई हजारों राम भक्तों की प्राणों की आहुति ली। उन्होंने कहा कि राजधर्म आप निभा नहीं पाए और अब आप विपक्ष के लायक भी नहीं बचोगे। आप अपनी इस मानसिकता में परिवर्तन करो।

20 हजार रुपये घूस लेते डीडीसी चकबंदी न्यायालय का पेशकार गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में एंटी करप्शन की बस्ती टीम ने गुरुवार को चकबंदी न्यायालय के पेशकार को 20 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी की कार्रवाई कलक्ट्रेट स्थित न्यायालय कक्ष से ही की गई। वहां से टीम उसे लेकर कोतवाली पहुंची। वहां मुकदमा दर्ज कराया गया। एंटी करप्शन विभाग बस्ती के प्रभारी इंस्पेक्टर सुखवीर सिंह भदौरिया ने बताया कि जंगलऊन गांव निवासी गुलाम मुस्तफा ने शिकायत की कि डीडीसी न्यायालय के पेशकार मुकेश कुमार यादव द्वारा 1632 को बनाए रखने और विपक्षी की आपत्ति खारिज करने के एवज में रुपये की मांग की जा रही है। शिकायत के बाद मामले की गोपनीय जांच शुरू की गई। जांच में घूस मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद शिकायतकर्ता को 20 हजार रुपये उपलब्ध कराए गए। गुरुवार को गुलाम मुस्तफा ने चकबन्दी न्यायालय पहुंचकर पेशकार को एंटी करप्शन विभाग द्वारा दिए गए रुपये दिए। इधर पहले से अलर्ट एंटी करप्शन की टीम ने तत्काल आरोपी पेशकार को धर दबोचा। पेशकार मनोज कुमार यादव पुत्र रामचन्द्र यादव बस्ती जनपद के कप्तानगंज थाना के ग्राम कटरा खुर्द का निवासी है। इंस्पेक्टर भदौरिया ने बताया कि मामले में कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विधायक ने किया दो दिवसीय मेले का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीरनगर। विधायक अंकुर राज तिवारी द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत ग्राम चौपाल (गॉव की समस्या, गॉंव का समाधान) का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन के प्रांगण में दो दिवसीय मेला तथा मेले में लगने वाले स्टॉल्स कार्यक्रम, मेले का शुभारंभ किया।

विधायक के साथ मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार द्वारा विभाग द्वारा लगाये गये स्टालों का निरीक्षण किया गया । राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टाल पर स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों का निरीक्षण किया गया । उन्होने प्रत्येक विकास खण्ड में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के बिक्री हेतु दुकान की व्यवस्था किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी के साथ–साथ प्रधानमंत्री आवास, स्वच्छ भारत मिशन, कौशल विभाग, बाल विकास विभाग के स्टाल का भी निरीक्षण किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को जागरूक करने के अभियान, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता अभियान, समाज कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, उद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, अल्पसंख्यक विभाग एवं उद्यान विभाग द्वारा चलायी जा रही शासन की विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी लगायी गयी।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुरेश चंद्र केसरवानी, उपायुक्त स्वतः रोजगार जीशान रिजवी, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रभात द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा सहित सम्बंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

दबंगों ने पीटकर अधेड़ को मरणासन्न अवस्था में पुल पर फेंका

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के राउतपार निवासी 42 वर्षीय राम मिलन विश्वकर्मा गुरुवार की सुबह रकहट–एकौना पुल पर अचेतावस्था में पड़े हुए थे। उनके शरीर पर काफी चोट के निशान थे। राहगीरों ने देखा और इसकी सूचना गगहा पुलिस व परिजनों को दी घायल का इलाज हाटा बाजार स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। अभी वह कोमा में हैं। राम मिलन विश्वकर्मा बुधवार की शाम को घर से चौराहे की तरफ निकले और देर रात तक घर नहीं पहुंचे परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कहीं पता नहीं चला सुबह रकहट–एकौना पुल पर अचेतावस्था में पड़े होने की सूचना मिली । लोगों ने बताया कि रात 9 बजे के आसपास शराब भट्ठी पर वह मौजूद थे, तभी एक युवक उन्हें अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया था और देर रात गोरखपुर व देवरिया जनपद की सीमा पर राप्ती नदी पर बने पक्के पुल के बीचोंबीच छोड़कर चले गए। सुबह टहलने निकले लोगों ने देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी।

फाइलेरिया रोगियों में एमएमडीपी किट वितरित

संवाददाता–गोरखपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरदारनगर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. हरिओम पांडेय के नेतृत्व में गुरुवार को स्वास्थ्य केंद्र पर क्षेत्र के 22 फाइलेरिया रोगियों को एमएमडीपी किट वितरित की गई।

जिला मुख्यालय से आए वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रवीण पांडेय, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी चन्द्रशेखर भारती व नोडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने फाइलेरिया रोगियों को स्वास्थ्य केंद्र पर प्रशिक्षित कर एमएमडीपी किट के उपयोग के बारे में बताया। इस अवसर पर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्रीप्रकाश यादव, राजकुमार, कार्तिकेय त्रिपाठी, एमएमएस सुरेन्द्रनाथ, आशा कार्यकर्त्री और अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

छेड़खानी व पाक्सो का आरोपित भेजा गया जेल

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के एक गांव में किशोरी के घर में घुसकर छेड़खानी और परिजनों के साथ मारपीट करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपित छह माह से फरार चल रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला युवक छोटू भारती जून 2023 की रात गांव के ही एक घर में घुसकर किशोरी के साथ छेड़खानी करने लगा। परिजनों ने आरोपी को पकड़ा तो उसने मारपीट की।

गुलरिहा पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर पाक्सो एक्ट में केस दर्ज कर युवक की तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार की रात गांव के पास से आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

तस्करी के लिए प्रयुक्त होने वाली 93 बोरी यूरिया बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु थाना क्षेत्र के बजहा चौकी अंतर्गत भारत नेपाल सीमा के मटियरिया गांव के समीप संयुक्त टीम की चेकिंग के दौरान तस्करी के लिए प्रयुक्त में लाये जाने वाली 93 बोरी योरिया बरामद की गई । मिली जानकारी के मुताबिक बजहा चौकी अंतर्गत भारत नेपाल सीमा के मटियरिया गाँव के पास पुलिस, कस्टम व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया था जहा दो व्यक्ति मोटरसाइकल पर खाद लेकर आते दिखाई दिए जो चेकिंग देख रुकने के वजाय गति तेज कर दी जहा टीम द्वारा उनका पीछा करने पर गांव में पुलिस के मुताबिक एक मकान के पास बाइक छोड़ दोनो तस्कर फरार हो गए । जहा पुलिस को बाइक पर लादी गई बोरियों के साथ मकान में भी भारी मात्रा में यूरिया की बोरिया बरामद हुई जो तस्करी के लिए ही प्रयोग की जाने वाली थी । संयुक्त टीम में कस्टम से इंस्पेक्टर अक्षय यादव एसएसबी से असिस्टेंट कमांडेंट कैलाश डान , इंस्पेक्टर हरेंद्र पवार सहित बजहा चौकी प्रभारी रामकुमार राजभर व कांस्टेबल अभिनव कुमार और सतीश कुमार शामिल रहे । बरामद 93 बोरी योरिया को 11 कस्टम अधिनियम के तहत कस्टम को सुपुर्द कर दिया गया।

पीड़ित को न्याय दिलाने को लेकर हुई चर्चा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला मानीटरिंग सेल प्रभारी ने गुरुवार को पुलिस आफिस मानीटरिंग सेल में जिले के थानों पर नियुक्त न्यायालय व केस मॉनीटरिंग पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर व जिला मानीटरिंग सेल में नियुक्त अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसमें पीड़ित को न्याय व अपराधी को शीघ्र सजा दिलाने को लेकर चर्चा की गई। गोष्ठी में ऑपरेशन कन्विक्शन, ऑपरेशन शिकंजा, टॉप–10 के तहत चिह्नित व विचारण में चल रहे आरोपितों को अधिक से अधिक सजा दिलाने के लिए समय से साक्षियों को न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित कराकर गवाही कराते हुए न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा गया।

समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण -अवनीश अवस्थी

संवाददाता–गोरखपुर। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत का विकास गांवो के विकास एवं उनके स्वावलम्बन में छिपा है। भारत आज सशक्त राजनैतिक नेतृत्व के हाथों में है। आज भारत विकास की सभी विधाओं में तेजी में विकसित देशों के कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उद्योगों का क्षेत्र हो या निर्यात, औषधि या रक्षा उपकरणों के निर्माण का। सभी क्षेत्रों में भारत की प्रगति विश्व में कौतूहल पैदा कर रही है। आज पूरा विश्व आशा के साथ भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में हमें भारत की आधी आबादी अर्थात् महिलाओं के विकास एवं स्वावलंबन की ओर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। ऐसे में जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स एवं सिंगर ग्रुप द्वारा आयोजित सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला निसन्देह महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में मील का पत्थर साबित होगा।

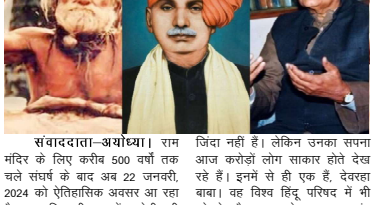

उक्त बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'उन्नत भारत ग्राम अभियान में मिशन शक्ति' प्रकल्प के अन्तर्गत जेके अर्बनसेप्स डेवेलपर्स लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रायोजित तथा सिंगर इण्डिया लिमिटेड के सहयोग से आयोजित सात दिवसीय निशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कही। उन्होने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की तमाम सारी सरकारी योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं हैं। महिलाओ को आगे बढ़ाए बिना भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने की सोचना बेमानी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि भारत के आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री के तकनीकी सलाहकार डॉ. जी.एन.सिंह ने कहा कि महिलाओ के सहयोग के बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपना सक्रिय सहयोग कर रहा है। मिशन शक्ति एवं उन्नत भारत अभियान जैसे प्रकल्पों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में इस संस्था द्वारा किए जाने वाले कार्य प्रशंसनीय हैं। कार्यक्रम में सिंगर इंडिया लिमिटेड की एच.आर. हेड श्रीमती अल्पना शरना ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को उनके प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी अन्य सामान्य जानकारी से परिचित कराया। इससे पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया। जे.के. समूह के वाइस प्रेसीडेंट आशीष चौहान ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ने एवं अतिथि आभार डॉ. मंजेश्वर ने ज्ञापित कि इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं शिवांन्या, दीपशिखा एवं सोनिका द्वारा सरस्वती वन्दना, स्वागतगीत, संकल्प गीत तथा वन्देमातरम् का सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 393/2023
तेज बहादुर यादव
बनाम
रामतीरथ यादव आदि

बनाम–1–रामतीरथ यादव 2–चन्द्रजीत यादव पुत्रगण स्वर्गीय राम बहाल यादव निवासीगण ग्राम– बनगवा परगना अमसिन तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 23–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–125)

न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश,कुटुम्ब न्यायालय संतकबीर नगर (उ0प्र0)
वाद सं0 573/11/2022
थाना–महुली
जिला–संतकबीरनगर
श्रीमती जयन्त्री देवी
बनाम
राममूरत यादव

तारीख पेशी 09–01–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 127 दं0प्र0सं0

विपक्षी–राममूरत यादव पुत्र चन्द्रबली हाल मुकाम कमरा नं0–592 सेक्टर 19 नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर
विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 127 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 01 मास के 09 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 2023 ई0 11 मास के 28 दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

मंदिर आंदोलन के ये 21 चेहरे किए गए याद, पर जीते जी साकार नहीं हुआ सपना

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर के लिए करीब 500 वर्षों तक चले संघर्ष के बाद अब 22 जनवरी, 2024 को ऐतिहासिक अवसर आ रहा है। इस दिन पीएम नरेंद्र मोदी की यजमानी में रामलला की प्रतिष्ठा होगी और वे भव्य मंदिर में विराजेंगे। इस आयोजन में करीब 6000 लोगों को आमंत्रित किया गया है और उन तक कार्ड पहुंचने लगे हैं। इस कार्ड के साथ एक पुस्तिका भी दी जा रही है, जिसमें राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख स्तंभ रहे लोगों को याद किया गया है। इनमें कुछ ऐसे चेहरे भी हैं, जो आंदोलन में नींव की ईंट की तरह अहम थे, लेकिन कभी ज्यादा चर्चा में नहीं रहे। पुस्तिका के अनुसार 7 अक्टूबर, 1984 से शुरू हुआ मंदिर आंदोलन राम जन्मभूमि के लिए चला 77वां संघर्ष था। उससे पहले भी 76 संघर्ष हो चुके थे। 1984 के बाद और उससे पहले जिन लोगों ने योगदान दिया, उनमें से कई विभूतियां अब जिंदा नहीं हैं। लेकिन उनका सपना आज करोड़ों लोग साकार होते देख रहे हैं। इनमें से ही एक हैं, देवरहा बाबा। वह विश्व हिंदू परिषद में भी रहे थे और 1989 के प्रयाग महाकुंभ में उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को गति देने का आह्वान किया था। रामलला की प्रतिमा 22–23 दिसंबर, 1949 की रात को श्रीरामजन्मभूमि पर प्रकट हुई थी। इस प्रतिमा के प्राकट्य के महानायाक महंत अभिरामदास जी महाराज माने जाते हैं। वह अयोध्या के हनुमानगढ़ी में उज्जैनिया पट्टी के नागा साधु थे। वह रामानंदी संप्रदाय के उन युवा साधुओं में अग्रणी थे, जिन्होंने आजादी के तुरंत बाद रामलला की जन्मभूमि की स्वतंत्रता के लिए प्रयास किए। रामानंदी दिगंबर अनी अखाड़े के श्रीमहंत रामचंद्रदास परमहंस महाराज को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि पर लगे ताले को न खोलने पर आत्मदाह की धमकी दे दी थी और फिर 1949 से लगा ताला 1 फरवरी, 1986 को खुला था। केके नायर 1949–50 के दौर में फैजाबाद के जिलाधीश थे। इसी समय जन्मभूमि रामलला की प्रतिमा प्रकट हुई थी। उनके ही आदेश पर जन्मस्थान पर भोग आरती शुरू हुई थी और एक पुजारी की नियुक्ति हुई थी। ठाकुर गुरुदत्त सिंह फैजाबाद के 1950 में सिटी मजिस्ट्रेट थे। उन्होंने 10 अक्टूबर 1950 को कलेक्टर को यह रिपोर्ट सौंपी थी कि तथाकथित मस्जिद को हिंदू समाज श्रीराम जन्मभूमि मानता है। वहां मंदिर बनाना चाहते हैं। नजूल की जमीन है और उसमें मंदिर निर्माण के लिए देने में कोई रुकावट नहीं है। जन्मभूमि पर रामलला की प्रतिमा मिलने के बाद पहला मुकदमा गोपाल सिंह विशारद ने ही दायर किया था। वह हिंदू महासभा के कार्यकर्ता थे। 16 जनवरी, 1950 को उन्होंने पूजा के अधिकार के लिए केस फाइल किया था। दाऊ दयाल खन्ना ने 1983 में यूपी के ही मुजफ्फरनगर में हुए हिंदू सम्मेलन में अयोध्या के अलावा मथुरा और काशी को भी मुक्त कराने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद 1984 में दिल्ली में हुई धर्म संसद में इसे मंजूर किया गया और आंदोलन का फैसला हुआ।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के गुरु रहे महंत अवैद्यनाथ ने रामजन्मभूमि मुक्तियज्ञ की अध्यक्षता की थी। उनके नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि की मुक्ता का आंदोलन चला। उनके गुरु महंत दिग्विजय नाथ भी हिन्दुत्व के प्रबल समर्थक थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रचारक रहे और फिर बाद में वीएचपी का हिस्सा बने ओंकार भावे को भी याद किया गया है। वह श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ समिति के अध्यक्ष भी थे। उन्हें पर्दे के पीछे रहकर आंदोलन के लिए बड़े काम करने वाले लोगों में शुमार किया जाता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रहे देवकीनंदन अग्रवाल भी इसमें शामिल हैं। वह रिटायरमेंट के बाद वीएचपी से जुड़ गए थे और उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने 1989 में रामसखा बनकर केस दायर किया था, जिसे कोर्ट ने मंजूर किया था। इसी केस में राम मंदिर निर्माण का फैसला अंत में आया।

श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के पहले अध्यक्ष और अधिष्ठाता स्वामी शिवरामाचार्य महाराज थे। उनके ही नेतृत्व में 1989 में रामजन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इस पुस्तिका में स्वामी शांतानंद सरस्वती और स्वामी मध्वाचार्य विश्वेश तीर्थ जी महाराज को भी याद किया गया है। कारोबारी और वीएचपी के अध्यक्ष रहे विष्णुहरि डालमिया को भी याद किया गया है। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन के अलावा कृष्ण जन्मभूमि के लिए भी योगदान दिया। वहां आसपास की जमीन को खरीद कर उसमें मंदिर बनवाया। अखिल भारतीय संत समिति के संस्थापक स्वामी वामदेव को भी इसमें जगह मिली है। उनके अलावा स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी का भी स्मरण किया गया है।

आरएसएस के तीसरे सरसंघचालक रहे बालासाहेब देवरस का भी स्मरण किया गया है। उनका वास्तविक नाम मधुकर दत्तात्रेय देवरस था। उनके ही नेतृत्व में आरएसएस राम मंदिर आंदोलन में कूदा था। वह इस पूरे आंदोलन के मार्गदर्शक माने जाते हैं। आरएसएस के चौथे सरसंघचालक रज्जू भैया को भी याद किया गया है। आरएसएस के कई दायित्वों पर रहे रज्जू भैया का वास्तविक नाम राजेंद्र सिंह था और वे बुलंदशहर के निवासी थे। उनके नेतृत्व में ही आंदोलन ने जोर पकड़ा था और अपनी परिणति की ओर बढ़ा।

वीएचपी की स्थापना के दौर से ही उसका हिस्सा रहीं राजमाता विजयाराजे सिंधिया को भी याद किया गया है। वह राम मंदिर आंदोलन में भी खूब सक्रिय थीं। इसके अलावा गौरक्षा आंदोलन में भी वह थीं, जो 1967 में हुआ था। वीएचपी के उपाध्यक्ष और महामंत्री जैसे पदों पर रहे आचार्य गिरिराज किशोर का भी स्मरण किया गया है। संघ परिवार में भीष्म पितामह सरीखा कद रखने वाले अशोक सिंघल को भी स्मरण किया गया है। उनके ही नेतृत्व में यह पूरा आंदोलन चला था। हिंदुत्व से जुड़े मामलों की वह दशकों तक मुखर आवाज रहे थे। यही नहीं 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार को उन्होंने पृथ्वीराज चौहान के बाद 800 सालों में बनी पहली हिंदूवादी सरकार बताया था।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी गुरू प्रसाद गुप्ता आयु लगभग 55 वर्ष पुत्र स्वर्गीय श्री हरीराम मूल निवासी ग्राम– मोहतसिमपुर पोस्ट– मोतीनगर थाना– पूरा कलन्दरपुर जिला अयोध्या हाल पता रानी बाजार अयोध्या थाना व पोस्ट– कोतवाली अयोध्या का निवासी है और मोबाइल नम्बर 8948427166 है। मेरी पत्नी रेनू पुत्री मुरली निवासी ग्राम अलावलपुर, थाना पुरा कलदर जिला अयोध्या मो०–9517304530 जो शपथकर्ता के कहने–सुनने में नही है और बराबर परिवार में लडाई–झगड़ा किया करती है तथा पूरा परिवार इनके कार्य व व्यवहार से अशांत हो गया है। शपथी की पत्नी का चरित्र ठीक नहीं है तथा अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध है। शपथी की पत्नी व उसका आशिक पूरे परिवार को फंसाने की धमकी देते हैं। जिससे परिवार की शांति भंग हो चुकी है। शपथकर्ता व उसके परिवार के अन्य सदस्य काफी परेशान हो गए हैं। इन लोगों का क्रियाकलाप परिवार तथा समाज के प्रतिकूल हो गया है, जिसके संबंध में शपथकर्ता ने इससे पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों को भी प्रार्थनापत्र दिया था, परंतु इन लोगों की गतिविधिया वैसे की वैसे बनी हुई है। अब शपथकर्ता इनको बर्दाश्त नहीं कर सकता है, लिहाजा शपथकर्ता स्वस्थ चित्त व मन से रेनू को अपनी समस्त चल, अचल संपत्ति तथा परिवार से पूर्ण रूप से बेदखल कर रहा है। रेनू द्वारा किया गया कोई भी लीगल व अनलीगल कार्य से शपथी व उसके परिवार का कोई लेना देना नहीं है और न भविष्य में होगा। प्रकाशन इस उद्देश्य से करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com